▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 333 ▸▸मुंबई, सोमवार, 9 फरवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

भाजपा का जवाब: 'कांग्रेस ने नक्सल नीति नहीं बनाई'

भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने अमित शाह के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि भूपेश बघेल सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ कोई ठोस नीति नहीं बनाई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में नक्सलियों के हौसले बढ़े और समस्या के समाधान के बजाय राजनीति की गई।

नक्सलियों को सख्त संदेश और भावुक अपील

अपने संबोधन में अमित शाह ने नक्सलियों को दो टूक संदेश देते हुए कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ें, सरकार किसी पर गोली नहीं चलाना चाहती। विशेष रूप से महिला नक्सलियों से उन्होंने हाथ जोड़कर अपील की कि वे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटें, सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन देगी।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा तय : अमित शाह

एजेंसी । रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का ऐलान करते हुए कहा है कि 31 मार्च 2026 से पहले राज्य से सशस्त्र नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। रायपुर में नक्सल विरोधी अभियानों की समीक्षा बैठक और एक राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में दिए गए उनके बयानों के बाद राज्य की राजनीति भी तेज हो गई है, जहां कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं। तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि सिक्योरिटी सेंट्रिक स्ट्रेटजी, आधारभूत ढांचे का विस्तार, नक्सल फंडिंग नेटवर्क पर प्रहार और आत्मसमर्पण नीति के कारण निर्णायक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि जो छत्तीसगढ़ कभी नक्सली हिंसा का गढ़ माना जाता था, वह अब भाजपा की डबल इंजन सरकार में विकास का पर्याय बन रहा है।

▸▸ अमित शाह की सख्त चेतावनी से छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई

▸▸ नक्सल विरोधी रणनीति के सकारात्मक नतीजे

वैश्विक स्थिरता में भारत की भूमिका

इसके बाद 'ऑर्गेनाइजर' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव "छत्तीसगढ़ 25 : शिफ्टिंग द लेंस" में अमित शाह ने कहा कि भारत की सफलता केवल देश तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इससे वैश्विक स्थिरता, समृद्धि और सुरक्षा को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षा, समृद्धि और स्थिरता किसी भी राष्ट्र और राज्य की बुनियाद होते हैं।

बस्तर को बनाने का संकल्प

गृह मंत्री ने कहा कि यदि नक्सलवाद न होता, तो बस्तर आज देश का सबसे विकसित क्षेत्र होता। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले 10 वर्षों में बस्तर को देश का रोल मॉडल जिला बनाया जाएगा। 9 फरवरी को अमित शाह बस्तर दौरे पर रहेंगे और 'बस्तर पंडुम-2026' के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कुल मिलाकर, नक्सलवाद के खात्मे को लेकर अमित शाह के सख्त ऐलान ने जहां सरकार की मंशा साफ कर दी है, वहीं कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप से यह मुद्दा एक बार फिर छत्तीसगढ़ की सियासत के केंद्र में आ गया है।

कांग्रेस पर तीखा हमला

अमित शाह ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में माओवाद को अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्रय मिला। उन्होंने माओवाद को विकास की कमी से जोड़ने वाले तर्क को खारिज करते हुए कहा कि यह एक भ्रामक विचारधारा है। शाह के मुताबिक, भाजपा शासन में छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में 30 गुना और प्रति व्यक्ति आय में 17 गुना वृद्धि हुई है।

कांग्रेस का पलटवार

अमित शाह के इन आरोपों पर कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में माओवाद पर प्रभावी अंकुश लगाया गया था और झीरम घाटी जैसी बड़ी घटनाएं भाजपा शासन के दौरान हुईं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने बस्तर में आदिवासियों को रोजगार और जल-जंगल-जमीन के अधिकार दिलाए।

डर से नहीं, आत्मविश्वास से तय होता है भविष्य : राहुल

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में रह रहे Gen-Z NRI छात्रों से संवाद कर युवाओं के सपनों, पहचान और मानसिक दबावों पर खुलकर बातचीत की। राहुल गांधी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साझा की गई 6 मिनट 37 सेकेंड की इस चर्चा में उन्होंने युवाओं को स्वतंत्र सोच, खुलकर अभिव्यक्ति और नए अवसरों को तलाशने के लिए प्रेरित किया।

पहचान, उद्देश्य और मानसिक दबाव

इस बातचीत में युवाओं की पहचान, जीवन के उद्देश्य और आज की पीढ़ी पर बढ़ते मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। राहुल गांधी ने प्रोफेशन और पैशन के बीच संतुलन, सोचने-समझने की आज़ादी और बिना झिझक अपनी बात रखने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने एंग्जायटी, जजमेंट और आत्म-संदेह से निपटने के तरीकों पर भी खुलकर बात की।

'भारत जोड़ो यात्रा' केवल राजनीति नहीं, एक अनुभव

संवाद के दौरान छात्रों ने राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सवाल किए। राहुल ने कहा कि यह यात्रा सिर्फ एक राजनीतिक पहल नहीं थी, बल्कि भारत की विविधता और एकता को करीब से समझने का माध्यम थी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में हर धर्म और वर्ग के लोग—हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई—एक साथ चले, जिससे आपसी संवाद और भरोसा मजबूत हुआ। एक छात्र के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि सफलता कभी सीधी और आसान नहीं होती। इसके लिए लगातार मेहनत, धैर्य और असफलताओं से सीखना जरूरी है। उन्होंने युवाओं को संदेश दिया कि गिरना स्वाभाविक है, लेकिन रुकना नहीं चाहिए—लगातार प्रयास ही अंततः सफलता तक ले जाता है।

खुद पर जीत हासिल करनी होती है

कई छात्रों ने आत्मविश्वास की कमी और जज किए जाने के डर को अपनी बड़ी चुनौती बताया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि ये भावनाएं सभी में होती हैं, लेकिन उनसे बाहर निकलने के लिए खुद पहल करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि जैसे परीक्षा में मेहनत और हिम्मत से बैठते हैं, वैसे ही जीवन की चुनौतियों पर भी जीत हासिल की जा सकती है। बातचीत के अंत में राहुल गांधी ने कहा कि समाज अक्सर लोगों को लेबल में बांधने की कोशिश करता है, लेकिन सबसे जरूरी है खुद के प्रति सच्चा रहना। उन्होंने Gen-Z को संदेश दिया कि जिंदगी कभी सीधी रेखा में नहीं चलती-लचीले रहें, सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें।

सांबा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

BSF ने पाकिस्तानी नागरिक को किया गिरफ्तार

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने सतर्कता दिखाते हुए एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई रामगढ़ सेक्टर में बॉर्डर आउटपोस्ट बल्लर के पास की गई, जहां रविवार शाम करीब 7 बजे संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी।

सीमा पर अलर्ट

अधिकारियों के मुताबिक, घुसपैठिया अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। BSF जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। फिलहाल आरोपी से सुरक्षा एजेंसियां और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से पूछताछ कर रही हैं, ताकि उसके सीमा पार करने के उद्देश्य और संभावित नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

सीकेवाईसी आईडी: केवाईसी संबंधी आपकी सभी ज़रूरतों को पूरा करने वाली एकमात्र चाबी

सीकेवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री द्वारा जारी की जाने वाली 14-डिजिट की विशिष्ट सीकेवाईसी आईडी

यह कैसे काम करता है?

- केवाईसी जानकारी अपने बैंक में जमा करें।
- बैंक केवाईसी जानकारी केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर अपलोड करता है।
- इसे सभी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

अपनी सीकेवाईसी आईडी को जानें।
मिस्ड कॉल: 7799022129 या
ऑनलाइन: www.ckycindia.in

प्रमुख फायदे
- विभिन्न बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में आसानी से खाता खोलें।
- केवाईसी अपडेट करना हुआ आसान: एक बैंक में अपडेट की गई केवाईसी आपके अन्य सभी बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में अपडेट हो जाती है सीकेवाईसी के ज़रिए।

आसान। सुरक्षित। मानकीकृत।

क्यूआर कोड स्कैन करें। अधिक जानकारी के लिए देखें https://rbikehtahai.rbi.org.in अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर भेजें। आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

ब्रीफ न्यूज़

बकाया भुगतान पर अडानी ग्रुप का बांग्लादेश को नोटिस

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के कार्यकाल के बीच अडानी ग्रुप और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (PDB) के बीच बकाया भुगतान को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। अडानी पावर लिमिटेड ने बांग्लादेश के पावर बोर्ड को पत्र भेजकर 112.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 1,000 करोड़ रुपये से अधिक) के बकाया भुगतान की तत्काल मांग की है। कंपनी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो बिजली आपूर्ति और पावर प्लांट के संचालन पर असर पड़ सकता है। बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम एलो की रिपोर्ट के मुताबिक, 29 जनवरी को अडानी पावर लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट अविनाश अनुराग ने PDB के चेयरमैन को यह पत्र भेजा।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक 19 फरवरी को वॉशिंगटन में

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित अंतरराष्ट्रीय संगठन 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली आधिकारिक बैठक इसी महीने वॉशिंगटन में होने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अहम बैठक 19 फरवरी को आयोजित की जाएगी, जिसमें युद्ध से तबाह गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक स्तर पर आर्थिक सहयोग जुटाने की रणनीति पर चर्चा होगी। बोर्ड ऑफ पीस को गाजा में युद्ध के बाद की स्थिति को संभालने, बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और मानवीय सहायता के समन्वय के उद्देश्य से बनाया गया है।

भारत की मारक क्षमता होगी और मजबूत

फ्रांस से SCALP मिसाइलों की खरीद पर 3200 करोड़ के रक्षा सौदे की तैयारी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और फ्रांस के बीच एक अहम रक्षा समझौते को लेकर गहन बातचीत चल रही है। इस सौदे के तहत भारतीय वायुसेना (IAF) फ्रांस से बड़ी संख्या में अत्याधुनिक SCALP क्रूज मिसाइलें खरीदने की योजना बना रही है। इस प्रस्तावित सौदे की अनुमानित लागत करीब 3200 करोड़ रुपये बताई जा रही है। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इस पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में दिखी SCALP की ताकत

SCALP मिसाइलों की मारक क्षमता का प्रदर्शन पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला था। इन्हीं मिसाइलों के जरिए भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के भीतर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकानों को सटीक हमलों में ध्वस्त किया था। राफेल लड़ाकू विमानों से दागी गई इन मिसाइलों ने मुरीदके और बहावलपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में स्थित आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया था।

राफेल फ्लीट को मिलेगा और घातक हथियार

भारतीय वायुसेना अपनी मौजूदा राफेल फ्लीट की ताकत बढ़ाने के लिए SCALP मिसाइलों की अतिरिक्त खेप खरीदने की तैयारी में है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इन्हीं उन्नत हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान वायुसेना के ठिकानों के खिलाफ भी किया गया था, जिसमें 12 प्रमुख एयरबेस को निशाना बनाया गया। इन हमलों में जमीन पर खड़े लड़ाकू और जासूसी विमानों को भी भारी नुकसान पहुंचा था।

जापान में फिर ताकाइची सरकार

टोक्यो। जापान में फिर से प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ताकाइची के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन को रविवार के हुए अहम संसदीय चुनाव में दो-तिहाई बहुमत मिल गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन को निचले सदन की 465 में से 312 सीटें मिली हैं। जो बहुमत के आंकड़े 233 से काफी अधिक है। सनाए ताकाइची की इस शानदार जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बधाई दी है। प्रधानमंत्री ताकाइची की सत्तारूढ़ पार्टी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने 465 सीटों में से 312 सीटों पर दर्ज की है। वहीं, 86 सीटों पर अभी गितनी जारी है। विपक्षी दलों के खाते में अभी तक मात्र 68 सीटें ही आई हैं। ताकाइची ने अक्तूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था। वह व्यक्तिगत रूप से काफी लोकप्रिय हैं, लेकिन उनकी पार्टी उनकी लोकप्रिय नहीं थी, जिसके बाद ताकाइची ने अचानक से चुनावों का एलान कर दिया था।

PM सनाए की पार्टी की ऐतिहासिक जीत, पीएम मोदी ने दी बधाई

सिंहस्थ कुंभ 2027 की तैयारियां तेज

भुसावल मंडल ने नाशिक–त्र्यंबकेश्वर रेल अवसंरचना को किया मिशन मोड पर अपग्रेड

डीबीडी संवाददाता । नाशिक

सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 को लेकर मध्य रेल के भुसावल मंडल ने नाशिक–त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र में स्टेशन-वार व्यापक अवसंरचना विकास कार्यों को तेज कर दिया है। अनुमानित 2–3 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्री सुविधाओं, परिचालन क्षमता और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए एक एकीकृत व चरणबद्ध विकास योजना लागू की है। रेलवे की इस योजना का मुख्य उद्देश्य तीर्थयात्रियों की सुरक्षित, सुचारु और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करना है। इसके तहत स्टेशन क्षमता बढ़ाने, सिग्नलिंग प्रणाली को आधुनिक बनाने, यार्ड लेआउट सुधारने और होल्डिंग एरिया विकसित करने जैसे कार्य किए जा रहे हैं। पाँच प्रमुख स्टेशनों पर नॉन-इंटरलॉकिंग (NI) और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) से जुड़े सिविल, ट्रैक, सिग्नलिंग एवं विद्युत कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। मनमाड–इगतपुरी खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (ABS) लागू की जा रही है, जिससे सेक्शन क्षमता और परिचालन सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

देवलाली स्टेशन: यार्ड रिमॉडलिंग और होल्डिंग एरिया

देवलाली स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग, प्लेटफॉर्म विस्तार और रेलवे कार्यालयों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। ट्रेनों की स्टेबलिंग के लिए अर्थवर्क किया जा रहा है। अतिक्रमणों को विधिसम्मत तरीके से हटाया गया है और बड़े यात्री समूहों के प्रबंधन के लिए समर्पित होल्डिंग एरिया की योजना पर राज्य प्रशासन के साथ समन्वय जारी है। नाशिक रोड स्टेशन पर डाउन प्लेटफॉर्म और प्लेटफॉर्म नंबर 4 का विस्तार किया जा रहा है। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए एक नए फुट ओवर ब्रिज को मंजूरी दी गई है, जिसके गर्डर निर्माण का कार्य मानमाड वर्कशॉप को सौंपा गया है। स्टेशन के बाहर बड़े स्थायी होल्डिंग एरिया भी विकसित किए जा रहे हैं।

राज्य प्रशासन के साथ तालमेल

होल्डिंग एरिया से जुड़ी अंतिम योजनाओं पर राज्य प्रशासन के साथ समन्वय जारी है। एकलहारे साइडिंग के लिए डीप स्क्रीनिंग और टैम्पिंग कार्य एनटीपीएस नाशिक के साथ मिलकर नियोजित किए गए हैं। भुसावल मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में सभी कार्यों की नियमित समीक्षा और स्थल निरीक्षण किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल अभियंता (कुंभ) और सहायक अभियंता (कुंभ) सहित एक समर्पित टीम को पूर्णकालिक रूप से तैनात किया गया है। सुनियोजित रणनीति, चरणबद्ध क्रियान्वयन और अंतर-एजेंसी समन्वय के माध्यम से भारतीय रेल सिंहस्थ कुंभ मेला 2027 से पहले सभी प्रमुख अवसंरचना कार्य पूरे करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करेगी, बल्कि नाशिक क्षेत्र की दीर्घकालिक रेल परिचालन क्षमता को भी मजबूत बनाएगी।

कसबे सुकने स्टेशन: प्लेटफॉर्म ऊंचाई और विस्तार

कसबे सुकने स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने, विस्तार और लूप लाइनों से जुड़े खुदाई कार्य किए जा रहे हैं। यात्री मांग को देखते हुए यहां भी समर्पित होल्डिंग एरिया विकसित किया जा रहा है। देवलाली, नाशिक रोड, ओढा, खेरवाड़ी, कसबे सुकने सहित कुल 12 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य प्रस्तावित हैं। इसके अलावा पुल कार्य, संयुक्त सिविल-ट्रैक-विद्युत परियोजनाएं और यार्ड रिमॉडलिंग पूरे नेटवर्क में की जा रही है।

ओढा स्टेशन: चरण-II में कमीशनिंग

ओढा स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग इमारत, ट्रैक, सिग्नलिंग और ओएचई से जुड़े कार्य निर्माण संगठन द्वारा किए जा रहे हैं। इन कार्यों को चरण-II में कमीशन करने की योजना है। यहां भी भारी भीड़ को संभालने के लिए होल्डिंग एरिया विकसित किए जा रहे हैं। खेरवाड़ी स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग, प्लेटफॉर्म से जुड़े कार्य और EI इमारत निर्माण प्रगति पर हैं। भूमिगत और उच्च स्तरीय जल टैंक के कंक्रीट कार्य पूरे हो चुके हैं। होल्डिंग एरिया को स्टेशन के प्रवेश-निकास से जोड़ा जा रहा है।

हरिहर कंपाउंड की A-2 बिल्डिंग में भीषण आग

6–7 औद्योगिक गाले चपेट में, लाखों का नुकसान

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के मानकोली क्षेत्र स्थित हरिहर कंपाउंड की A-2 नामक दो मंज़िला इमारत में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि इमारत में मौजूद 6 से 7 औद्योगिक गाले इसकी चपेट में आ गए, जिससे वहां रखा सारा माल जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, उक्त इमारत में 'बॉम्बे ट्रॉफी' नामक कंपनी संचालित थी, जहां कपड़ों की गद्दी और पेपर रोल का निर्माण किया जाता था। वहीं, बगल के एक अन्य गाले में ताश (खेलने वाले पत्ते) बनाने का काम चल रहा था।

आग की चपेट में आने से दोनों इकाइयों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है।

घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, आग से लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

अमिताभ सिंह, चीफ पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्कल ने रविवार को अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत की याद में एक स्पेशल कैंसलेशन जारी किया। इस मौके पर रेखा रिज़वी डायरेक्टर मुंबई GPO, संतोष कुलकर्णी असिस्टेंट डायरेक्टर, शिल्पा राणे असिस्टेंट डायरेक्टर और दिलीपकुमार सिंह मौजूद थे।

मुंबई पुष्प महोत्सव रहा आकर्षण का केंद्र, शामिल हुए डेढ़ लाख लोग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका की ओर से भा.खला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले बॉटनिकल गार्डन व चिड़ियाघर (रानीबाग) में तीन दिवसीय मुंबई पुष्प महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसमें डेढ़ लाख से अधिक मुंबई वासियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और महोत्सव का आनंद उठाया।

मनपा के वृक्ष प्राधिकरण की ओर से रानीबाग में हर लास की तरह इस साल भी मुंबई पुष्प महोत्सव का आयोजन किया गया था। यह तीन दिवसीय महोत्सव शुक्रवार 6 फरवरी से रविवार 8 फरवरी तक आयोजित किया गया था। रंग-बिरंगे फूलों से सजे संगीत के इंस्ट्रूमेंट्स को देखने के लिए मुंबईकरों की लगातार भीड़ लगी रही। महोत्सव में अलग-अलग तरह के पौधों और फूलों से सजावट की गई थी। बहुत से लोग फलों और फूलों, सब्जियों को देखने और गार्डन के लिए खाद व औजार खरीदने के लिए जमा हुए थे।

हर साल खास कॉन्सेप्ट पर महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस साल संगीत की दुनिया के विभिन्न म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की कॉपी पर आधारित था। इसमें बांसुरी, तबला, वीणा, सितार, मृदुंग, गिटार, पेटी, ताल, सनाई, तुतारी, सैक्सोफोन जैसे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स को रंग-बिरंगे फूलों की सजावट से बनाया गया था। उद्यान अधीक्षक जितेंद्र परदेशी ने बताया कि मुंबई के अलग-अलग स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों के अलावा पर्यावरण प्रेमी और विशेषज्ञ फेस्टिवल में आए। फिल्मी कलाकार वर्षा उसगांवकर, रंजीत के अलावा कई फिल्मी स्टार और जानी मानी हस्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम दिवस

महामंडलेश्वर विनय स्वरूपानंद सरस्वती का उद्बोधन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सेन्चुरी मिल कामगार वसाहत स्थित हरिहर संत सेवा मंडल के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री विनय स्वरूपानंद सरस्वती महाराज ने भक्तों को गूढ़ आध्यात्मिक संदेश दिया। स्वामी महाराज ने बताया कि भगवान के अवतार दो प्रकार के होते हैं-अन्वय और व्यतिरेक। श्रीराम अवतार अन्वय का प्रतीक है, जबकि श्रीकृष्ण अवतार व्यतिरेक का।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीराम का जन्म महलों में हुआ, जबकि श्रीकृष्ण का अवतार कारागार में। श्रीराम ने एकपत्नी व्रत धारण कर माता सीता से विवाह किया, वहीं श्रीकृष्ण ने 16,108 विवाह किए। इस प्रकार, दोनों अवतारों में अन्वय और व्यतिरेक का सतत दर्शन होता है।महामंडलेश्वर जी ने कहा कि श्रीराम नाम रूपी अमृत ही जीवन का सार है और अंत समय में वही काम आता है। उन्होंने सिद्धांत समझाते हुए कहा-'पढ़ने की हद समझ है, समझने की हद ज्ञान; ज्ञान की हद हरि नाम है।'उन्होंने श्रोताओं से हरि नाम को हृदय में धारण करने का आह्वान किया।

सातों दिन व्यासपीठ पर आसीन स्वामी श्री अप्रमेय प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने मानव जीवन को सार्थक बनाने के गुर सिखाए और भक्तों को भगवत भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर हरिहर संत सेवा मंडल के पदाधिकारी एवं समाजसेवी रजनीकांत दीक्षित, बालगोविंद तिवारी, अनिल तिवारी, बिड़ला, धार्मिक अघाड़ी के सुरेश मिश्र, करुणा शंकर शास्त्री, उमाकांत तिवारी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सोलापुर में एक भोजनालय के पास कार में दो ईवीएम मिलीं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में एक भोजनालय के पास एक कार में दो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) मिलीं। अधिकारियों ने रविवार को स्पष्ट किया कि ये ईवीएम 'आरक्षित' उपकरण थे। महाराष्ट्र में शनिवार को सोलापुर समेत 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव हुए। शनिवार आधी रात के आसपास मोहोल कस्बे में होटल स्वराज्य के पास चुनाव ड्यूटी पर तैनात एक अधिकारी के लिए किराये पर ली गई कार से दो ईवीएम मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई, जिसके चलते कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एक उम्मीदवार ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता से जुड़े सवाल उठाते हुए इस घटना की गहन जांच की मांग की।एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही चुनाव अधिकारी, तहसीलदार और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि ईवीएम 'आरक्षित' थीं और शनिवार को मतदान के लिए इनका इस्तेमाल नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि दोनों मशीनें सीलबंद थीं।अधिकारी ने बताया कि मतदान दर्ज करने के लिए इस्तेमाल की गई सभी ईवीएम को शनिवार रात साढ़े दस बजे तक 'स्ट्रांग रूम' में जमा कर दिया गया था।

आठ पुलिसकर्मी निलंबित और दो बर्खास्त, मुंबई पुलिस आयुक्त की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में मुंबई में पुलिस वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दो को सेवा से बर्खास्त किया गया है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती ने की है। पुलिस आयुक्त देवन भारती ने स्पष्ट किया है कि पुलिस बल की विश्वसनीयता और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। भविष्य में भी नियमित समीक्षा की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। कर्तव्य में लापरवाही बरतने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। पुलिस की विभागीय समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में कोताही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कर्तव्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता के मामलों में कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पहले से निलंबित 23 पुलिसकर्मियों के निलंबन को समीक्षा के बाद बरकरार रखा गया है। इन सभी मामलों में ड्यूटी में गंभीर लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना, लंबे समय तक बिना अनुमति अनुपस्थित रहना और अनुचित आचरण जैसी शिकायतें सामने आई थीं। कुछ मामलों में संबंधित पुलिसकर्मियों पर अपने कार्यक्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई न करने और जिम्मेदारी सौंपे जाने के बावजूद निष्क्रिय रहने के आरोप थे।

टेनिस क्रिकेट फेडरेशन को नया नेतृत्व, डॉ. श्रीकांत शिंदे बने नेशनल प्रेसिडेंट

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

टेनिस क्रिकेट स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ITCSF) की पहली सालाना जनरल मीटिंग ठाणे में आयोजित हुई, जिसमें कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे को फेडरेशन का नेशनल प्रेसिडेंट चुना गया। इस अवसर पर डॉ. शिंदे ने कहा कि हर बच्चा इंटरनेशनल या IPL स्तर तक नहीं पहुंच पाता, लेकिन टेनिस क्रिकेट युवाओं के लिए स्पोर्ट्स में करियर बनाने का एक सशक्त और व्यवहारिक माध्यम बन सकता है।

डॉ. शिंदे ने कहा कि टेनिस क्रिकेट के जरिए आम परिवार का बच्चा भी क्रिकेटर बनने का सपना पूरा कर सकता है। जो खिलाड़ी प्रोफेशनल क्रिकेट तक नहीं पहुंच पाते, उनके लिए यह एक स्वतंत्र और सक्षम प्लेटफॉर्म है। उन्होंने बताया कि कल्याण लोकसभा क्षेत्र में टेनिस क्रिकेट बड़े स्तर पर खेला जाता है और यहां कई बड़े टूर्नामेंट आयोजित होते हैं। डॉ. शिंदे ने 'प्रो-गोविंदा' और 'प्रो-कबड्डी' का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार ने पारंपरिक और ग्रामीण खेलों को भी प्रोफेशनल पहचान देने का काम किया है। जिस तरह कबड्डी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंची है, उसी तरह टेनिस क्रिकेट को भी एक संगठित और प्रोफेशनल स्वरूप दिया जाएगा।

हर साल 150 तक टूर्नामेंट, करोड़ों की प्राइज मनी

फेडरेशन के माध्यम से हर साल 125 से 150 टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें 40 से 45 लाख खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। इन प्रतियोगिताओं की कुल प्राइज मनी करीब 30 करोड़ रुपए बताई गई। फेडरेशन और आयोजकों का उद्देश्य खिलाड़ियों को पारदर्शी और अनुशासित प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है।

नेशनल लेवल पर डिसिप्लिन्ड सिस्टम

टेनिस क्रिकेट में बढ़ती लोकप्रियता और निवेश के साथ अनुशासन की जरूरत को देखते हुए ITCSF की स्थापना की गई। फेडरेशन की शुरुआत 2022 में हुई थी और अगस्त 2025 में इसे कंपनी एक्ट के सेक्शन-8 के तहत आधिकारिक रूप से रजिस्टर किया गया। वर्तमान में महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली-NCR, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के प्रतिनिधि फेडरेशन से जुड़े हैं। जल्द ही अन्य राज्यों में भी विस्तार किया जाएगा।

'हिंदायन साइक्लोथॉन' को मेयर ने दिखाई हरी झंडी

ठाणे से मुंबई के लिए रवाना हुआ साइकिल अभियान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भारत सरकार के यूथ अफेयर्स एवं स्पोर्ट्स मंत्रालय और डिफेंस मंत्रालय के सहयोग से दिल्ली से शुरू हुआ 'हिंदायन साइक्लोथॉन' सोमवार को ठाणे से मुंबई के लिए रवाना हुआ। ठाणे मनपा मुख्यालय में मेयर शर्मिला पिंपोलकर और डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाकर साइकिल चालकों को शुभकामनाएं दीं।

इस साइक्लोथॉन में युवाओं से लेकर सीनियर सिटीजन तक बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी ने अभियान को विशेष मजबूती दी। मेयर और डिप्टी मेयर ने प्रतिभागियों से संवाद कर उनके अनुभव भी जाने।

इस अभियान का उद्देश्य भारत में साइकिलिंग को एक सस्टेनेबल, हेल्दी और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन साधन के रूप में प्रोत्साहित करना है। मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने कहा कि दिल्ली से शुरू हुआ यह सफर ठाणे होते हुए मुंबई तक पहुंचना गर्व की बात है। वहीं, डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने 'फिट इंडिया' पहल के तहत साइक्लोथॉन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि साइकिल चलाना एक बेहतरीन व्यायाम है, जिससे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक क्षमता का विकास होता है।

ठाणे मनपा से शुरू हुआ यह साइक्लोथॉन मुंबई के कोलाबा मिलिट्री स्टेशन पर संपन्न हुआ, जहां मेजर सागर सावंत ने सभी साइकिल चालकों को आकर्षक मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हिंडायन फाउंडेशन के हेड विष्णुदास चापके ने आयोजन के उद्देश्य की जानकारी दी और भविष्य में अधिक संख्या में लोगों से भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम में हिंडायन फाउंडेशन के विष्णुदास चापके, अमे साइक्लिस्ट प्रेमी फाउंडेशन की फाउंडर प्रेसिडेंट प्रज्ञा म्हात्रे, सदस्य अमोल कुलकर्णी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

संजय राऊत फेक एजेंडा चला रहे हैं : भाजपा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर मुंबई की नवनिर्वाचित महापौर रितु तावड़े को घेरने वाले शिवसेना (उद्धव) नेता संजय राऊत पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। भाजपा मीडिया सेल के प्रदेश प्रमुख नवनाथ बन ने आरोप लगाया कि संजय राऊत बिना किसी ठोस आधार के "फेक एजेंडा" चला रहे हैं और जनता को गुमराह कर रहे हैं।

'बजट में बांग्लादेश को फंड नहीं'

नवनाथ बन ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बजट में बांग्लादेश को फंड देने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने राऊत के दावे को पूरी तरह गलत बताते हुए चुनौती दी कि यदि ऐसा कोई प्रावधान है तो उसका पुख्ता सबूत पेश करें। मुंबई महापौर पद पर भाजपा की नगरसेविका रितु तावड़े का निर्विरोध चुना जाना तय है, जिसकी औपचारिक घोषणा 11 फरवरी को होगी। रितु तावड़े ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता मुंबई से अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर करना होगी। इसी बयान को लेकर संजय राऊत ने केंद्र सरकार पर बांग्लादेश को फंड देने का आरोप लगाया था।

'मानवीय मदद को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा'

भाजपा नेता ने कहा कि भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली किसी भी तरह की सहायता मानवीय और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप होती है, न कि किसी समुदाय पर अत्याचार को बढ़ावा देने के लिए। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सख्त रुख अपनाया है। नवनाथ बन ने कहा कि मुंबई से अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालना कानून, सुरक्षा और मुंबईकरों के हित का विषय है। केंद्र और राज्य सरकारें इस दिशा में काम कर रही हैं और मुंबई में भी इसे मजबूती से लागू किया जाएगा।

अटल सेतु पर हेलीपैड बनाने की मांग, मिलिंद नार्वेकर ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खंडाला घाट में हाल ही में हुए गैस टैंकर हादसे के बाद प्रमुख यातायात मार्गों पर आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इसी पृष्ठभूमि में शिवसेना (यूबीटी) के विधायक मिलिंद नार्वेकर ने अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी–न्हावा शेवा सेतु (अटल सेतु) पर इमरजेंसी सिस्टम को और मजबूत करने की मांग की है।

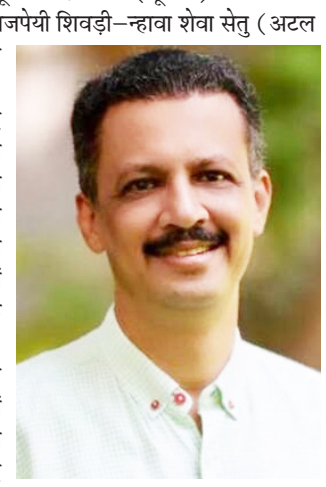

मिलिंद नार्वेकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अटल सेतु पर आपात स्थितियों से निपटने के लिए हेलीपैड बनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी बड़े हादसे की स्थिति में त्वरित राहत और बचाव कार्य के लिए यह सुविधा बेहद जरूरी है।

नार्वेकर ने पत्र में उल्लेख किया कि 3 फरवरी को खंडाला घाट में अत्यधिक ज्वलनशील प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर पलटने के बाद हाईवे पर करीब 36 घंटे तक यातायात ठप रहा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि मौजूदा इमरजेंसी मैनेजमेंट सिस्टम पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं है।

उन्होंने अटल सेतु के संदर्भ में कहा कि यह 21.8 किलोमीटर लंबा समुद्र के ऊपर बना पुल है, जहां किसी दुर्घटना, आग या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राहत कार्य और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बढ़ते ट्रैफिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सेतु पर इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम की समग्र समीक्षा, आधुनिक राहत व्यवस्था और हेलीपैड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देने की मांग की है।

म्हाडा पुणे बोर्ड की लॉटरी 10 फरवरी को

4,186 फ्लैट्स के लिए 2.15 लाख से अधिक वैध आवेदन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

म्हाडा की डिविजनल यूनिट पुणे हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम क्षेत्र, पीएमआरडीए तथा सोलापुर, कोल्हापुर और सांगली जिलों में स्थित विभिन्न हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के तहत 4,186 फ्लैट्स की बिक्री के लिए मंगलवार, 10 फरवरी को दोपहर 12 बजे कंप्यूटराइज्ड लॉटरी निकाली जाएगी।

यह लॉटरी पुणे जिला परिषद स्थित शरद चंद्र पवार हॉल में आयोजित होगी। पुणे बोर्ड के चेयरमैन शिवाजीराव अधलराव पाटिल लॉटरी प्रक्रिया का संचालन करेंगे, जबकि म्हाडा के वाइस प्रेसिडेंट एवं सीईओ संजीव जायसवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल रहेंगे।

म्हाडा अधिकारियों के अनुसार, 4,186 फ्लैट्स के लिए कुल 2,58,832 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 2,15,965 आवेदकों ने डिपॉजिट अमाउंट का भुगतान किया है और वही आवेदक लॉटरी ड्रॉ में शामिल किए गए हैं। पुणे बोर्ड की इस योजना को आवेदकों से अच्छा प्रतिसाद मिला है। पुणे बोर्ड ने इस हाउसिंग योजना के लिए 11 सितंबर 2025 को विज्ञापन प्रकाशित किया था। योजना के तहत पुणे, पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम क्षेत्र और पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (PMRDA) क्षेत्र में 20 प्रतिशत कॉम्प्रिहेंसिव स्कीम के अंतर्गत 3,322 फ्लैट्स और 15 प्रतिशत सोशल हाउसिंग स्कीम के तहत 864 फ्लैट्स शामिल किए गए हैं।

आवेदकों के अनुरोध, कुछ तकनीकी कारणों और चुनाव आचार संहिता के चलते आवेदन की अंतिम तिथि दो बार बढ़ाई गई थी। म्हाडा ने सभी आवेदकों से अपील की है कि वे लॉटरी ड्रॉ की प्रक्रिया पर ध्यान रखें। जो आवेदक 10 फरवरी, 2026 को लॉटरी स्थल पर उपस्थित नहीं रह पाएंगे, वे अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर प्राप्त संदेश में दिए गए यूट्यूब लिंक के माध्यम से घर बैठे लॉटरी ड्रॉ का लाइव प्रसारण देख सकते हैं।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे जाम

टैंकर चालक पर लापरवाही का केस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर हुए गैस टैंकर हादसे के बाद पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। इस दुर्घटना के कारण एक्सप्रेसवे पर करीब 33 घंटे तक भारी यातायात जाम लगा रहा, जिससे हजारों वाहन चालक प्रभावित हुए।

पुलिस के अनुसार, रायगढ़ जिले के खोपोली थाने में उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी रतन सिंह उदय नारायण सिंह (44) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन पर लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने तथा दूसरों के जीवन और सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप लगाए गए हैं। यह हादसा 3 फरवरी की शाम करीब 5 बजे रायगढ़ जिले में अडोशी सुरंग के पास हुआ। अत्यधिक ज्वलनशील प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर ढलान पर तेज रफ्तार में था, जहां चालक ने नियंत्रण खो दिया और टैंकर पलट गया। टैंकर कोचीन से गुजरात की ओर जा रहा था।

चालक और खलासी घायल

दुर्घटना में चालक और उसका खलासी घायल हो गए, जिन्हें नवी मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हादसे के चलते एक्सप्रेसवे के मुंबई की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया था, जिसे 5 फरवरी की सुबह, करीब 33 घंटे बाद बहाल किया गया।

हिंदुओं को मारने के लिए केंद्र से मिल रही बांग्लादेश को आर्थिक मदद: संजय राऊत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की चुनी गई महापौर रितु तावड़े के बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढकर निकालने के ऐलान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राऊत ने केंद्र सरकार पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। राऊत ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। केंद्र सरकार बांग्ला देश को आर्थिक मदद दे रही है।

राऊत के अनुसार बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। जबकि केंद्र सरकार जानबूझकर इसे नजरअंदाज़ कर रही है। इस बात के कई सबूत हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की दुकानें जलाई जा रही हैं, मंदिर तोड़े जा रहे हैं और हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। ऐसे में इस साल के केंद्रीय बजट में बांग्लादेश को करोड़ों रुपये की आर्थिक मदद दी गई है। इस मदद का इस्तेमाल असल में हिंदुओं को मारने के लिए किया जा रहा है।

रितु तावड़े को महापौर चुने जाने की बधाई देते हुए राऊत ने कहा कि मुंबई के मराठी लोग हिंदू हैं और उन्होंने देश में हिंदुत्व की रक्षा की है। भाजपा को दबाव के कारण मराठी महापौर नियुक्त करना पड़ा। महापौर के पास प्रशासनिक अधिकार नहीं होते हैं। घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुख्यमंत्री का काम है। जब हिंदुओं पर अन्याय हो रहा है तो सत्ताधारी पार्टी चुप क्यों है। बेवजह हिंदू-मुस्लिम की राजनीति मत करो।

ज्योतिबा फुले की प्रतिमा से तोड़फोड़ पर बवाल

मंत्री छगन भुजबल ने अमित शाह को लिखा पत्र, सख्त कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/हैदराबाद

तेलंगाना में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा के साथ की गई तोड़फोड़ की घटना ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नाराजगी पैदा कर दी है। महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप और दोषियों के खिलाफ तत्काल व कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

यह घटना 6 फरवरी को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सामने आई। छगन भुजबल ने अपने पत्र में कहा कि महात्मा फुले जैसे महान समाज सुधारक की प्रतिमा को निशाना बनाना सामाजिक समानता और प्रगतिशील विचारधारा पर सीधा हमला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतांत्रिक समाज में इस तरह की घटनाएं किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं।

सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने भी जताया विरोध

इस घटना को लेकर उत्तर प्रदेश के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने भी कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर घटना का वीडियो साझा करते हुए लिखा कि संगारेड्डी जिले के तेल्लापुर गांव में दिनदहाड़े महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर किया गया हमला न केवल कायरतापूर्ण और आपराधिक है, बल्कि यह करोड़ों अनुयायियों और मानवतावादी विचारधारा में आस्था रखने वाले समाज की भावनाओं पर सीधा हमला है।

मिसाल बनने वाली सजा की मांग

मंत्री भुजबल ने कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और शोषित-वंचित वर्गों के सशक्तिकरण में महात्मा फुले का योगदान अमूल्य है। उनकी विरासत का अपमान करने वालों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जो भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने की मिसाल बने। उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे संविधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

कोस्टल रोड पर हेलीपैड का विरोध

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका की ओर से मुंबई कोस्टल रोड पर प्रस्तावित हेलिपैड का विरोध शुरु हो गया है। जहां इसे बनाया जाना है, वहां के स्थानीय नागरिक इसकी खिलाफत में उठ खड़े हुए हैं।

मुंबई मनपा ने वर्ली जेटी पर हेलिपैड बनाने की योजना बनाई है। इसका उपयोग आपात स्थितियों में किया जा सकेगा। गंभीर मरीजों को एयर लिफ्ट कर मुंबई के बड़े अस्पतालों में पहुंचाने के साथ ही कोस्टल पुलिस, सुरक्षा बलों और वीवीआईपी लोगों के लिए यह हेलिपैड फायदेमंद होगा। हालांकि बीएमसी की इस योजना का स्थानीय निवासियों ने कड़ा विरोध किया है। वर्ली रेसिडेंट्स एसोसिएशन ने इस प्रस्ताव के खिलाफ बीएमसी आयुक्त, नगर विकास विभाग और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को पत्र लिखकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि या तो इस प्रस्ताव को वापस लिया जाए या फिर हेलिपैड के लिए रिहायशी इलाकों से दूर वैकल्पिक स्थान तलाशा जाए।

योजना के अनुसार, जेटी को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत डीजीसीए-लाइसेंस प्राप्त हेलिपैड में बदला जाना है, जिसका उपयोग आपात चिकित्सा सेवाओं, समुद्री निगरानी, आपदा प्रबंधन और वीवीआईपी आवागमन के लिए किया जा सकता है। जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में हेलिकॉप्टर संचालन से अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण होगा।

हेलिकॉप्टर का शोर 100 से 120 डेसिबल तक होता है, जो निर्धारित मानकों से कहीं अधिक है। हेलिपैड से यातायात अव्यवस्था, सुरक्षा जोखिम और बार-बार वीवीआईपी मूवमेंट से आम लोगों को परेशानी होगी।

2029 से पहले बदलेंगे सियासी समीकरण UBT-बीजेपी साथ आएंगे : लक्ष्मण हाके

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

ओबीसी आंदोलनकारी लक्ष्मण हाके ने महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उनका दावा है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य के सियासी समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे। हाके के मुताबिक, आने वाले समय में उद्धव ठाकरे एक बार फिर भाजपा के साथ खड़े नजर आ सकते हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शरद पवार के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत में लक्ष्मण हाके ने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति में जल्द ही बड़ा "भूकंप" देखने को मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भविष्य में भाजपा और देवेंद्र फडणवीस के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। इसके चलते 2029 के चुनावों में शिंदे गुट की शिवसेना, शरद पवार और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एक साथ चुनाव लड़ सकती है।

पंचायत चुनावों से मिले संकेत

हाके ने कहा कि इस नए राजनीतिक ध्रुवीकरण के संकेत हाल ही में हुए पंचायत राज चुनावों में साफ नजर आए हैं। कई जगहों पर शिंदे गुट की शिवसेना और दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस ने मिलकर भाजपा का विरोध किया। यह गठजोड़ आने वाले बड़े चुनावों की दिशा तय कर सकता है।लक्ष्मण हाके के अनुसार, फिलहाल भाजपा के विरोध में खड़ी उद्धव ठाकरे की शिवसेना भविष्य में फिर से भाजपा के साथ जा सकती है। वहीं राज ठाकरे की मनसे को लेकर उन्होंने कहा कि पार्टी का जनाधार पहले जैसा नहीं रहा है और उसे अभी लंबी तैयारी की जरूरत है।

भाजपा के लिए बढ़ेंगी चुनौतियां

हाके ने यह भी कहा कि शिंदे गुट के कुछ नेताओं और मंत्रियों के हालिया बयान भाजपा और सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहे हैं। उनके मुताबिक, 'पंचायत चुनावों में बने समीकरण इस बात के संकेत हैं कि 2029 में उद्धव ठाकरे और भाजपा एक तरफ होंगे, जबकि एकनाथ शिंदे और दोनों पवार दूसरी तरफ।'लक्ष्मण हाके की इस भविष्यवाणी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

भाजपा के पास महापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार नहीं : सुरेशचंद्र राजहंस

मुंबई। मुंबई कांग्रेस के प्रवक्ता और मीडिया समन्वयक सुरेशचंद्र राजहंस ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली भाजपा की हालत इतनी खोखली हो चुकी है कि मुंबई के महापौर पद के लिए भी उसे अपने ही दल में एक योग्य उम्मीदवार नहीं मिला। रितु तावड़े को महापौर पद का मौका देकर भाजपा ने दरअसल एक कांग्रेस कार्यकर्ता को ही आगे बढ़ाया है। 'कांग्रेसमुक्त भारत' का नारा देने वाली भाजपा अब पूरी तरह 'कांग्रेसयुक्त' हो चुकी है। भाजपा और महायुति पर निशाना साधते हुए राजहंस ने कहा कि पार्टी के पास अपने नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारी नहीं बचे हैं। भाजपा आज कांग्रेस और अन्य दलों से आए लोगों के सहारे चल रही है।

मलाड में चार बांग्लादेशी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के मलाड ईस्ट में स्थित कुरार में अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह सभी अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग व्यवसाय कर रहे थे। कुरार पुलिस स्टेशन की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

कुरार पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी रफीक मुजावर ने रविवार को बताया कि गोपनीय जानकारी के आधार पर उनकी टीम ने एक बांग्लादेशी को 2 फरवरी को हिरासत में लिया था। पहले वह गोलमाल बात करके पुलिस को गुमराह कर रहा था, लेकिन कड़ी पूछताछ के बाद वह टूट गया और उसकी शिनाख्त पर कुरार में ही तीन और बांग्लादेशी नागरिकों का पता चला। इन सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

इनकी पहचान तुहिनुर जोनल सरदार (30), मोहम्मद अब्दुल मोमिन मोहम्मद लतीफ सरदार(52), नजरुल इस्लाम शोर अली बिस्वास (41) और मोहम्मद इमामुल हक मोहम्मद तैबुर रहमान (46) के रुप में की गई है । यह सभी कुरार में व्यवसाय कर रहे थे। जांच के दौरान, पुलिस ने आरोपितों से बांग्लादेशी दस्तावेज बरामद किए हैं, जिसमें स्थायी निवास प्रमाण पत्र, नागरिकता प्रमाण पत्र और बांग्लादेश राष्ट्रीय पहचान पत्र शामिल हैं, जिससे उसकी विदेशी नागरिकता की पुष्टि हुई। इस मामले की आगे की कार्रवाई जारी है।

मध्य रेल

विविध कार्य

खुली ई-निविदा सं: BB-C-130-WA-CCTV-2026. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Sr. DCM)/मुख्य स्टेशन प्रबंधक (CSMT), भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिए कार्य करते हुए, दो पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोली दाता केवल अंतिम तिथि एवं समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ जमा कर सकेंगे। इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल(हस्तचालित) प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे तथा प्राप्त होने पर ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। अधिक विवरण हेतु बोलीदाताओं से अनुरोध हैं कि **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर जाएँ। **कार्य का नाम:** मध्य रेलवे, मुंबई मंडल के अंतर्गत निम्नलिखित गुड्स शेडों में एआई आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली सहित एकीकृत सुरक्षा प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य: न्यू मुलुंड, कल्याण, तुर्भे (TAPG), तलोजा पंचानंद, कलंबोली, नागोठाने, पेन, भिवंडी रोड, ट्रॉम्बे, उरण, रोहा, दादर पार्सल कार्यालय एवं वाडीबंदर (WB) पार्सल डिपो तथा पेन में 01 वैगन निरीक्षण सुरंग। इस कार्य में 01 वर्ष की वारंटी तथा वारंटी अवधि समाप्त होने के बाद 05 (पाँच) वर्षों के लिए CAMC (व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध) शामिल है। निविदा समापन **तिथि समय:** 27.02.2026 को 15.00 बजे। **प्री-बिड सम्मेलन तिथि समय:** 10.02.2026 को 15.00 बजे। **बयाना राशि (रु.):** ₹ 5,03,500/-। **निवादा दस्तावेज़ लागत (रु.):** ₹ 5000.00। **निविदा शुरू होने की तारीख:** 13.02.2026। इसके अलावा विषय निविदा के संबंध में, परिशिष्ट/शुद्धिपत्र, निविदा की वापसी, निविदा समापन की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, तो केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 881

संपादकीय

जिम्मेदारी तय हो, कठोर दंड मिले

मेघालय की खदानों में हाल ही में हुई मौतों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही, अवैध गतिविधियों और प्रशासनिक विफलता का परिणाम दिखाई देती है। जब मजदूर रोजी-रोटी के लिए खदानों में उतरते हैं, तो वे अपनी जान जोखिम में डालते हैं। ऐसे में अगर उनकी मौत होती है, तो उसे केवल "हादसा" कहकर टाल देना समाज और व्यवस्था दोनों के लिए शर्म की बात है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना अवैध खनन से जुड़ी बताई जा रही है। देश में कई बार ऐसी खतरनाक खदानों पर रोक लगाने और कड़े नियम लागू करने की बातें कही गईं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग ही नजर आती है। अवैध खनन तभी संभव होता है जब किसी न किसी स्तर पर आंखें मूंद ली जाती हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अगर कानून मौजूद थे, तो यह खदान चल कैसे रही थी? मजदूरों को वहां काम करने की अनुमति किसने दी? ऐसे हादसे केवल तकनीकी गलती या प्राकृतिक दुर्घटना नहीं होते। इनके पीछे एक पूरी व्यवस्था की नाकामी छिपी होती है। खदान मालिक, ठेकेदार, स्थानीय तंत्र और निगरानी करने वाले अधिकारी—सभी की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। जब तक जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी और हर बार गरीब मजदूर ही अपनी जान गंवाते रहेंगे। हमारे देश में अक्सर यह देखा गया है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है और फिर मामला धीरे-धीरे भुला दिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों ने अपने कमाने वाले सदस्य को खो दिया, उनके लिए यह दर्द आजीवन रहता है। उनके लिए यह सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि जिंदगी भर का अंधेरा है। सबसे दुखद पहलू यह है कि खदानों में काम करने वाले अधिकांश मजदूर गरीब और हाशिए पर खड़े समाज से आते हैं। वे मजबूरी में ऐसे काम करते हैं, जहां सुरक्षा का कोई भरोसा नहीं होता। उनके पास न उचित प्रशिक्षण होता है, न सुरक्षा उपकरण, न ही कोई ठोस कानूनी संरक्षण। ऐसी स्थिति में अगर उनकी मौत होती है, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय भी है। इस घटना के बाद केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। अब समय आ गया है कि ठोस कार्रवाई की जाए। सबसे पहले इस पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच होनी चाहिए। खदान मालिकों, ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट की जाए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत पाई जाती है, तो दोषियों को कठोर से कठोर दंड दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही अवैध खनन पर स्थायी और सख्त कार्रवाई जरूरी है। केवल कागजों पर प्रतिबंध लगाने से कुछ नहीं होगा। जमीनी स्तर पर निगरानी, जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। मजदूरों के लिए सुरक्षा मानकों को अनिवार्य बनाना होगा और उनका कड़ाई से पालन करवाना होगा। मेघालय की यह त्रासदी हमें एक बार फिर याद दिलाती है कि मजदूरों की जिंदगी सस्ती नहीं है। उनकी सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी समाज और सरकार दोनों की है। अगर इस घटना के बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं हुई और कठोर दंड नहीं मिला, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अन्याय होगा। अब समय है कि देश को यह संदेश दिया जाए—मजदूर की जान की कीमत है, और उसे खतरे में डालने वालों को कानून से कोई नहीं बचा सकता।

चरित्र ही मनुष्य का असली धन

सुजाता मुरकर

सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने अपने सादे जीवन और उच्च विचारों से करोड़ों युवाओं को प्रेरित किया। वे कहते थे कि महान सपने वही लोग देखते हैं, जिनका चरित्र मजबूत होता है और जो अपने लक्ष्य के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हैं। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि चरित्र की पुनर्स्थापना है। यदि मनुष्य अपने भीतर के मूल्यों को जागृत कर ले, तो जीवन अपने आप सार्थक हो जाएगा। धन, पद और प्रसिद्धि जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन उसे अर्थपूर्ण केवल चरित्र ही बनाता है। जब व्यक्ति अपने जीवन में सत्य, प्रेम, सेवा और नैतिकता को स्थान देता है, तो वह न केवल स्वयं खुश रहता है, बल्कि समाज को भी बेहतर बनाता है।

आज का समय तेज़ी, तकनीक और उपलब्धियों का समय कहा जाता है, लेकिन इसी चमक के बीच एक सच्चाई यह भी है कि मनुष्य भीतर से पहले से अधिक खाली और अकेला होता जा रहा है। चारों ओर सुख-सुविधाओं की भरमार है, पर मन में शांति नहीं है। कारण स्पष्ट है—हमने चरित्र और इंसानियत जैसे मूल मूल्यों को पीछे छोड़ दिया है।

चरित्र मनुष्य का वह आंतरिक स्वरूप है, जो उसके विचारों, निर्णयों और कर्मों में दिखाई देता है। यह केवल बाहर से अच्छा दिखने का नाम नहीं, बल्कि भीतर से सच्चा और दृढ़ होने का नाम है। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थिति में भी सही रास्ता चुनता है, जब वह अकेले में भी गलत काम नहीं करता, तब उसका असली चरित्र सामने आता है। चरित्र वह ताकत है जो मनुष्य को लालच, भय और प्रलोभन के बीच भी सत्य और न्याय के रास्ते पर टिके रहने की शक्ति देती है। चरित्र जन्म से नहीं आता, यह धीरे-धीरे जीवन के अनुभवों, संस्कारों और आत्मअनुशासन से बनता है। छोटी-छोटी आदतें, जैसे सच बोलना, वचन निभाना, दूसरों का सम्मान करना और अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना—ये सब मिलकर चरित्र की नींव बनाते हैं। आज की दुनिया में सफलता का अर्थ केवल धन, प्रसिद्धि और बाहरी चमक तक सीमित हो गया है। सोशल मीडिया ने जीवन को एक प्रदर्शन बना दिया है, जहां लोग अपने वास्तविक जीवन से अधिक अपने दिखावे पर ध्यान देते हैं। हर कोई सफल दिखना चाहता है, पर भीतर से संतुष्ट और शांत रहने की कला भूल गया है। रिश्तों की जगह प्रतिस्पर्धा ने ले ली है। परिवार साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर हो गए हैं। बातचीत की जगह स्क्रीन ने ले ली है। तुलना और ईर्ष्या ने मन को अशांत कर दिया है। यही कारण है कि आज मानसिक तनाव, अवसाद और अकेलेपन की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। जब जीवन से मूल्य हट जाते हैं, तो मनुष्य चाहे जितना भी सफल हो, भीतर से खाली ही रहता है। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाएं जुटाने के लिए नहीं है। जीवन का मूल उद्देश्य है—स्वयं को बेहतर बनाना और समाज के लिए उपयोगी बनना। मनुष्य तभी सच्चे अर्थों में सफल होता है, जब वह अपने जीवन से दूसरों के जीवन में भी प्रकाश ला सके। भारतीय चिंतन में जीवन को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं माना गया। यहां

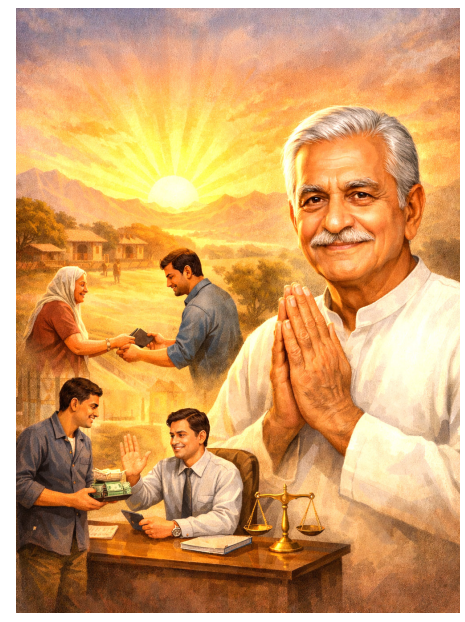

जीवन को कर्तव्य, सेवा और आत्मविकास की यात्रा समझा गया है। जब मनुष्य अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के लिए जीने लगता है, तभी उसके जीवन को सच्चा अर्थ मिलता है। इंसानियत की शुरुआत किसी बड़े आंदोलन से नहीं, बल्कि व्यक्ति के अपने भीतर से होती है। जब व्यक्ति अपने व्यवहार में प्रेम, संवेदना और ईमानदारी लाता है, तो समाज अपने आप बेहतर बनने लगता है। सबसे पहला कदम है—संवेदनशील बनना। दूसरों के दुख को समझना और उनकी मदद करने की भावना ही इंसानियत का आधार है। दूसरा कदम है—ईमानदारी। जब व्यक्ति अपने काम को पूरी निष्ठा से करता है, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होती है। तीसरा कदम है—रिश्तों को समय देना। परिवार, मित्र और समाज के साथ जुड़ाव ही जीवन को संतुलित और सुखी बनाता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्होंने चरित्र की शक्ति से दुनिया को बदला। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। उनके पास न हथियार थे, न सेना, लेकिन उनके चरित्र की ताकत ने लाखों लोगों को एकजुट कर दिया। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्चा चरित्र किसी भी भौतिक शक्ति से बड़ा होता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को चरित्र निर्माण का संदेश दिया। वे कहते थे कि एक मजबूत चरित्र वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। उन्होंने आत्मविश्वास, सेवा और आध्यात्मिकता को जीवन का आधार बनाया। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने अपने सादे जीवन और उच्च विचारों से करोड़ों युवाओं को प्रेरित किया। वे कहते थे कि महान सपने वही लोग देखते हैं, जिनका चरित्र मजबूत होता है और जो अपने लक्ष्य के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हैं। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि चरित्र की पुनर्स्थापना है। यदि मनुष्य अपने भीतर के मूल्यों को जागृत कर ले, तो जीवन अपने आप सार्थक हो जाएगा। धन, पद और प्रसिद्धि जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, लेकिन उसे अर्थपूर्ण केवल चरित्र ही बनाता है। जब व्यक्ति अपने जीवन में सत्य, प्रेम, सेवा और नैतिकता को स्थान देता है, तो वह न केवल स्वयं खुश रहता है, बल्कि समाज को भी बेहतर बनाता है। यही मानव जीवन का सच्चा उद्देश्य है और यही वह मार्ग है, जो इंसान को खोखलेपन से निकालकर सार्थकता और संतोष की ओर ले जाता है।

हमारी गीता

अंधे मन का प्रश्न, जाग्रत बुद्धि का उत्तर

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद् भगवद् गीता की शुरुआत एक साधारण प्रतीत होने वाले, किंतु अत्यंत गहरे प्रश्न से होती है। यह प्रश्न धृतराष्ट्र का है। महर्षि वेदव्यास इस महाग्रंथ को एक नाट्य प्रस्तुति की तरह सामने रखते हैं, जहां मुख्य संवाद तो श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच कुरुक्षेत्र की रणभूमि में होता है, लेकिन उसकी पृष्ठभूमि धृतराष्ट्र के दरबार से बनती है। धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे। वे युद्धभूमि में जाकर कुछ देख नहीं सकते थे, परंतु उनका मन उसी चिंता में उलझा था। इसलिए उन्होंने संजय को बुलाया। संजय को दिव्य दृष्टि प्राप्त थी, जिससे वह दूर बैठकर भी युद्धभूमि में घट रही प्रत्येक घटना को स्पष्ट देख सकता था। आज का विज्ञान भी हमें उसी तरह की दृष्टि दे चुका है। टेलीविजन, मोबाइल और यूट्यूब के माध्यम से हम घर बैठे दूर-दूर की घटनाओं को देख लेते हैं। इस दृष्टि से देखें तो आधुनिक मनुष्य भी किसी न किसी रूप में "संजय" बन गया है। संजय शब्द का अर्थ है—"सम्यक जय", अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों और मन पर पूर्ण विजय प्राप्त कर ली हो। जिसने भीतर की अशांति को जीत लिया हो, वही वस्तुओं को स्पष्ट देख सकता है। संजय की निर्मल बुद्धि ही उसे भूत, वर्तमान और भविष्य का साक्षी बनाती है। धृतराष्ट्र का प्रश्न था—"धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में युद्ध की इच्छा से एकत्रित हुए मेरे पुत्रों और पांडवों ने क्या किया?" यह केवल युद्ध की सूचना जानने का प्रश्न नहीं था, बल्कि उसके भीतर एक छिपा हुआ भय, मोह और असुरक्षा की भावना थी। गीता का पूरा संदेश इसी प्रश्न से जन्म लेता है। यह हमें भी याद दिलाता है कि हर महान ज्ञान की शुरुआत एक सच्चे प्रश्न से ही होती है।

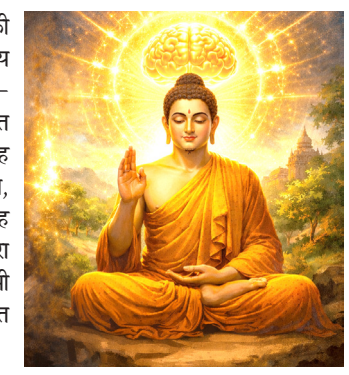

जीवन ऊर्जा

सी. पी. कृष्णन नायर : जन्म 9 फरवरी 1922

जन्म

मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता

सी. पी. कृष्णन नायर का जन्म 9 फरवरी 1922 को केरल के कन्नूर जिले में हुआ था। वे भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति और द लीला होटल समूह के संस्थापक थे। भारतीय सेना में सेवा देने के बाद उन्होंने वस्त्र उद्योग से व्यापार शुरू किया और बाद में लक्जरी होटल क्षेत्र में बड़ा नाम बनाया। 18 मई 2014 को उनका निधन हुआ।

सफलता का सबसे बड़ा रहस्य है काम से प्रेम करना। सपने वही सच होते हैं, जिनके लिए आप मेहनत करते हैं। ईमानदारी हर व्यापार की सबसे मजबूत नींव है। कठिनाइयाँ इंसान को मजबूत बनाती हैं। बड़ा सोचो, तभी बड़ा कर पाओगे। अनुशासन के बिना सफलता स्थायी नहीं होती। अवसर इंतजार नहीं करते, उन्हें पहचानना पड़ता है। असफलता नई शुरुआत का संकेत है। ग्राहक का विश्वास ही सबसे बड़ी पूँजी है। जीवन में सीखना कभी बंद मत करो। मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जो जोखिम नहीं लेता, वह आगे नहीं बढ़ता। हर दिन खुद को बेहतर बनाओ। सम्मान कमाया जाता है, माँगा नहीं जाता। सादगी ही असली महानता है। समय का सही उपयोग सफलता की कुंजी है। टीम के साथ चलोगे तो दूर तक जाओगे। नेतृत्व का अर्थ है दूसरों को आगे बढ़ाना। धैर्य से बड़े लक्ष्य हासिल होते हैं। अपने मूल्यों से समझौता मत करो। व्यापार सेवा का माध्यम भी है। चुनौतियाँ नई दिशा दिखाती हैं। सकारात्मक सोच जीत का रास्ता बनाती है। अपने काम पर गर्व करने वाला ही सफल होता है।

सफलता के साथ विनम्रता जरूरी है। हर समस्या समाधान भी लाती है। विश्वास से रिश्ते और व्यवसाय मजबूत होते हैं। छोटी शुरुआत से बड़े साम्राज्य बनते हैं। निरंतर प्रयास ही असली प्रतिभा है। गुणवत्ता पर समझौता नहीं करना चाहिए। सपनों को सच करने के लिए साहस चाहिए। अनुभव सबसे बड़ा शिक्षक है। सेवा भावना से किया काम सफल होता है। भविष्य उन्हीं का होता है, जो आज मेहनत करते हैं। सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में खुशी लाए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संतोष, दृष्टिकोण और आत्मबोध की सीख

प्रत्येक मनुष्य को जीवन में केवल जीना ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला भी आनी चाहिए। जीवन अपने आप में एक अनमोल उपहार है, पर इसे सार्थक और सुखद बनाना हमारे हाथ में होता है। जिस प्रकार संगीत सीखने के लिए अभ्यास और समझ जरूरी होती है, उसी प्रकार जीवन को सही दिशा देने के लिए सही सोच और दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। प्रकृति कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करती। इस संसार में जो कुछ भी है—चाहे वह कोई वस्तु हो, पदार्थ हो या जीव-जगत का कोई प्राणी—प्रकृति ने सबको कुछ न कुछ विशिष्टता अवश्य दी है। यदि इस दुनिया में कोई पूर्ण नहीं है, तो कोई पूर्णतः अपूर्ण भी नहीं है। हर व्यक्ति में कोई न कोई ऐसी विशेषता होती है, जो उसे दूसरों से अलग बनाती है। अंतर केवल हमारे दृष्टिकोण का होता है कि हम अपने जीवन के किस पहलू पर ध्यान देते हैं। अक्सर देखा जाता है कि मनुष्य की नजर उस चीज पर अधिक रहती है, जो उसके पास नहीं है। वह हमेशा तुलना करता रहता है—किसी के पास अधिक धन है, किसी के पास बड़ा घर है, किसी के पास ऊँचा पद है। लेकिन वह यह भूल जाता है कि उसके पास भी कुछ ऐसा है, जो शायद दूसरों के पास नहीं है। कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सम्पन्न हो सकता है, परंतु उसके पास मानसिक शांति न हो। कोई ऊँचे पद पर हो सकता है, लेकिन उसके पास सच्चे मित्र न हों। इसलिए जीवन को दूसरी दृष्टि से देखने पर पता चलता है कि हर व्यक्ति अपने-अपने स्तर पर संपन्न भी है और अभावग्रस्त भी। जीवन का सबसे बड़ा शत्रु ईर्ष्या है। जब हम दूसरों की उपलब्धियों को देखकर जलने लगते हैं, तो यह आग दूसरों को चाहे न जलाए, पर हमें भीतर से अवश्य जला देती है। ईर्ष्या मनुष्य की

शांति छीन लेती है, उसका आत्मविश्वास कमजोर कर देती है और उसे नकारात्मक सोच की ओर धकेल देती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति न तो स्वयं आगे बढ़ पाता है और न ही दूसरों की सफलता को स्वीकार कर पाता है। इस ईर्ष्या की आग को बुझाने के लिए जीवन में संतोष और ज्ञान का जल जरूरी है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य प्रगति करना छोड़ दे, बल्कि इसका मतलब है कि जो हमारे पास है, उसके लिए आभार महसूस करें और जो नहीं है, उसके लिए स्वस्थ प्रयास करें। जब मनुष्य संतोष के साथ आगे बढ़ता है, तो उसका मन शांत रहता है और उसकी मेहनत भी सकारात्मक दिशा में लगती है। ज्ञान भी जीवन को संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ज्ञान हमें यह सिखाता है कि जीवन की असली खुशी बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आंतरिक शांति और संतुलन में है। जब व्यक्ति अपने भीतर की अच्छाइयों को पहचानता है, तो वह दूसरों से तुलना करना छोड़ देता है और स्वयं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करता है। जीवन की कला यही है कि हम अपने भीतर की खूबियों को पहचानें, संतोष का भाव रखें और दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें, ईर्ष्या नहीं। जब मन में संतोष और बुद्धि का प्रकाश होता है, तब जीवन की राह आसान और सुखद हो जाती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

शख्सियत

ए. आर. अंतुले

संघर्ष, संकल्प और जनसेवा की प्रेरक कहानी

महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा नाम, जिसने अपने दम पर पहचान बनाई और ऊँचे पद तक पहुँचकर भी जनसेवा को अपना ध्येय बनाए रखा—वह नाम है ए. आर. अंतुले। उनका पूरा नाम अब्दुल रहमान अंतुले था।

उनका जन्म 9 फरवरी 1929 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अंबेत गांव में एक साधारण मुस्लिम परिवार में हुआ था। साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद उनके सपने असाधारण थे। तुले का बचपन आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों के बीच बीता। उनके परिवार में शिक्षा का माहौल था, इसलिए उन्होंने छोटी उम्र से ही पढ़ाई को अपना लक्ष्य बना लिया। प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों में प्राप्त की। आगे की पढ़ाई के लिए वे मुंबई आए, जहाँ उन्होंने कानून की पढ़ाई की और बाद में इंग्लैंड जाकर लंदन से बैरिस्टर-एट-लॉ की उपाधि हासिल की। विदेश में शिक्षा प्राप्त करना उस समय किसी साधारण परिवार के युवक के लिए बड़ी उपलब्धि थी। भारत लौटने के बाद अंतुले ने वकालत शुरू की, लेकिन उनका मन समाज और राजनीति की सेवा में अधिक लगता था। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े और अपनी मेहनत, स्पष्ट सोच और संगठन क्षमता के कारण जल्द ही पार्टी में पहचान बनाने लगे। उनका राजनीतिक जीवन आसान नहीं था। उन्हें कई बार विरोध और आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वे हमेशा जनता के बीच रहे और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। यही कारण था कि वे धीरे-धीरे जनता के प्रिय नेता बनते गए।

उनकी मेहनत और लोकप्रियता का परिणाम था कि वे 1980 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। इस पद पर रहते हुए उन्होंने कई विकास योजनाओं की शुरुआत की। उनका ध्यान गरीबों, किसानों और पिछड़े वर्गों के उत्थान पर था। हालाँकि उनके कार्यकाल में एक विवाद भी सामने आया, जिसके चलते उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। यह उनके जीवन का कठिन दौर था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने कानूनी लड़ाई लड़ी और अंततः कई मामलों में उन्हें राहत भी मिली। यह घटना उनके जीवन की एक बड़ी सीख थी कि संघर्ष से घबराने के बजाय उसका सामना करना चाहिए। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी अंतुले ने राजनीति से दूरी नहीं बनाई। वे लोकसभा के सदस्य बने और केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उन्हें अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री के रूप में भी सेवा करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने अल्पसंख्यकों के कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में कई योजनाओं को आगे बढ़ाया। अंतुले का व्यक्तित्व दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास से भरा हुआ था। वे मानते थे कि राजनीति का असली उद्देश्य जनता की सेवा है। साधारण परिवार से निकलकर देश की राजनीति में ऊँचा स्थान प्राप्त करना उनके संघर्ष और संकल्प का प्रमाण है। वे अपनी स्पष्टवादिता और निडर स्वभाव के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने हमेशा अपने विचारों को खुलकर रखा और कठिन परिस्थितियों में भी पीछे नहीं हटे। लंबे सार्वजनिक जीवन के बाद 2 दिसंबर 2014 को उनका निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे। उनके निधन से महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनुभवी और संघर्षशील नेता का अंत हुआ। ए. आर. अंतुले का जीवन हमें सिखाता है कि साधारण परिस्थितियाँ भी बड़े सपनों को रोक नहीं सकतीं।

अपने विचार

किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते की बातचीत बहुत गहन और विस्तृत होती है। इसमें हर एक चीज पर बारीकी से बात की जाती है और भविष्य को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत धैर्य का काम है और इसे कभी भी जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। इसीलिए मैं हमेशा कहता हूं कि हमें गति रखनी चाहिए, जल्दबाजी नहीं।

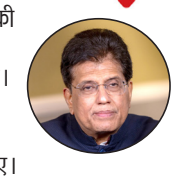

-पीयूष गोयल
केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

अंग्रेजी भाषा अच्छी तरह आनी चाहिए ताकि वे उसे प्रभावी ढंग से बोल सकें। साथ ही, उन्होंने मातृभाषा के संरक्षण का जिक्र करते हुए कहा, 'अंग्रेजी में दक्ष होना जरूरी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा को भूल जाएं।'

-मोहन भागवत
(आरएसएस) के सरसंघचालक

केरल सरकार केंद्र द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के ऊपर धान किसानों को अतिरिक्त बोनस देती है। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार को इससे परेशानी क्यों हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केरल धान की खरीद पर प्रति किलो 6.31 रुपये अतिरिक्त देता है।

-पिनारई विजयन
सीएम, केरल

गोपनीय तरीके से पाकिस्तान का दौरा किया था। वे वहां 10 दिन रहे। हो सकता है वहां ट्रेनिंग ली हो। एलिजाबेथ गोगोई को सैलरी पाकिस्तान से आती थी।

-हिमंता बिस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

बीएमसी में जल्द होगी ड्राइवरों की भर्ती

मुंबई । मुंबई महानगर पालिका में अधिकारियों के वाहनों को चलाने के लिए जल्द ड्राइवरों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए जल्द विज्ञापन निकाला जाएगा। तब तक के लिए ड्राइवरों की कमी पूरी करने के लिए बीएमसी बेस्ट प्रशासन से अनुबंध पर डाइवर लेगी। बीएमसी में प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन चलाने के लिए चालकों की कमी देखी जा रही है। इस समस्या के समाधान के लिए बीएमसी प्रशासन ने बेस्ट उपक्रम से चालक उपलब्ध कराने की मांग की है। बीएमसी ने 55 अनुभवी ड्राइवरों को अनुबंध पर लेने का निर्णय किया है। जल्द ही बेस्ट को आधिकारिक पत्र भेजा जाएगा। फिलहाल बीएमसी के पास सिर्फ 375 चालक हैं, जबकि 985 चालकों की आवश्यकता है। मुंबई मनपा अधिकारियों के अनुसार जल्द ही 786 चालकों की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करने की तैयारी चल रही है। बेस्ट से 55 चालक ठेके पर लिए जाएंगे। बेस्ट से लिए जाने वाले कुछ ड्राइवरों को निजी वाहनों की सेवा में लगाया जाएगा, जबकि कुछ को कचरा संग्रहण से जुड़े कामों में तैनात किया जाएगा।

आध्यात्मिक चेतना और मानव मूल्यों का केंद्र बनेगा णमोकार तीर्थ: मुख्यमंत्री फडणवीस

नाशिक। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मानवता, करुणा और अहिंसा का संदेश देने वाला णमोकार तीर्थ समाज को सही दिशा दिखाने वाला प्रेरणास्रोत बनेगा। नाशिक जिले के चांदवड तालुका स्थित मालसाणे में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जैन आचार्यों से संवाद कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि प्रभु श्रीराम की तपोभूमि से पवित्र हुई इस धरती पर आयोजित यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा, शांति और साधना की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों द्वारा दिया गया अहिंसा, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश आज के समय में पूरी मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विश्व पर्यावरणीय संकट और हिंसा जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन प्राणिमात्र के प्रति करुणा और प्रकृति संरक्षण का मार्ग दिखाता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार इस तीर्थक्षेत्र के समग्र विकास के लिए हरसंभव सहयोग कर रही है और यहां बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम में सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि चांदवड का णमोकार तीर्थ आने वाले समय में एक प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय तीर्थस्थल के रूप में उभरेगा, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु आध्यात्मिक शांति की खोज में पहुंचेंगे।

मुंबई के कई इलाकों जल संकट

एम पूर्व और एम पश्चिम विभाग में गुरुवार और शुक्रवार को नहीं आएगा पानी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पूर्वी उपनगर के एम पूर्व और एम पश्चिम विभाग में पानी की सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए मरम्मत कार्य किया जाएगा। इसलिए मुंबई मनपा ने इन विभागों के कई हिस्सों में काम के दौरान पानी आपूर्ति बंद रखने का फैसला किया है। यह मरम्मत कार्य गुरुवार 12 फरवरी की रात 2 बजे से शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 की सुबह 8 बजे तक चलेगा। इस क्षेत्र में मानखुर्द, गोवंडी, शिवाजी नगर, देवनार और चेंबूर के कई इलाके आते हैं। मुंबई मनपा ने इस दिन पानी के संयमित इस्तेमाल और पानी बचाकर रखने की अपील जनता से की है। एम पूर्व के वार्ड नंबर 146, 147, 148) और एम पश्चिम के वार्ड नंबर 154 व 155 में कुल 30 घंटे के लिए पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी. मनपा अधिकारियों के अनुसार एम पूर्व और एम पश्चिम विभाग में पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए, तुर्भे लो-लेवल जलाशय में 1200 मिमी डायमीटर के इनलेट वॉटर पाइप पर 1200 मिमी डायमीटर का गेट लगाया जाएगा। साथ ही, तुर्भे लो-लेवल जलाशय को पानी सप्लाई करने वाले 1200 मिमी डायमीटर के इनलेट वॉटर पाइप को टनल शाफ्ट से जोड़ने के लिए 1200 मिमी डायमीटर का वॉटर कनेक्शन लगाया जाएगा। सावधानी के तौर पर अगले 3 दिनों तक पानी उबालकर और छानकर पीने की सलाह दी गई है।

इन इलाकों में नहीं आएगा पानी

एम पूर्व विभाग- एचपीसीएल, रिफाइनरी, एचपीसीएल. कॉलोनी, वरुण बेवरेजेज, बीएआरसी, गवनपाड़ा, इंडियन ऑयल कंपनी लिमिटेड, बीपीसीएल कॉलोनी, टाटा कॉलोनी, नित्यानंद बाग, राणे चॉल, आरसीएफ कॉलोनी, ओल्ड रिफाइनरी एरिया, भारत नगर, जे. प्लॉट, हाशु आडवाणी नगर, अनिक गांव, एमएसीबी कॉलोनी, सह्याद्री नगर, आरएनए उद्यान, म्हाडा कॉलोनी, रॉकलाइन बिल्डिंग्स, विष्णु नगर, वीडियोकॉन बिल्डिंग्स, एसजी केमिकल बिल्डिंग, प्रयागनगर, ओम-गणेश नगर, राहुल नगर, अशोक नगर में पानी सप्लाई बंद रहेगी। एम पश्चिम विभाग- बीपीटी, टाटा, बीपीसीएल, माहुल विलेज, मारवली चर्च, माहुल एसआरए, फारूक गली, आरसी. मार्ग, सिंधी सोसाइटी, एसआरए बिल्डिंग्स, वाशी नाका, अंबा पाड़ा, जीजामाता नगर, वित्तसंचयन, सैलिला रामटेकडी, तोलाराम टावर, चेंबूर कैंप, गणेश नगर, अशोक नगर, कोंकण नगर, वाशीगांव, म्हाडा बिल्डिंग्स, मुकुंद नगर एसआरए, लक्ष्मी नगर, मितुल एन्क्लेव, मैसूर कॉलोनी, एमएस बिल्डिंग्स, विजय नगर, आरसी मार्ग में पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

ओझर एयरपोर्ट विस्तार को हरी झंडी नासिक बनेगा औद्योगिक-पर्यटन हब

डीबीडी संवाददाता । नासिक

ओझर हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन और विस्तार कार्य का रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा अब विलासिता नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता बन चुकी है। ओझर विमानतल का विस्तार नासिक के सर्वांगीण विकास को नई रफ्तार देगा और जिला औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाएगा। महाराष्ट्र बुनियादी ढांचा विकास निगम (एमएसआईडीसी) द्वारा किए जा रहे इस प्रोजेक्ट के भूमिपूजन समारोह में कुंभ मेला मंत्री गिरीश महाजन, दादाजी भुसे, सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

कुंभ मेले और निर्यात को मिलेगा बल

मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले को देखते हुए ओझर एयरपोर्ट का आधुनिकीकरण बेहद अहम है। इससे कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में 8 से 10 गुना तक वृद्धि संभव है। साथ ही नासिक के कृषि प्रधान स्वरूप को मजबूती मिलेगी—फल, सब्जी और अन्य कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दावोस दौरे में नासिक के लिए करीब 13,000 करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए हैं, जिनसे हजारों प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

छात्रों को स्किल-बेस्ड शिक्षा के जरिए मजबूत बनना चाहिए : राज्यपाल

डीबीडी संवाददाता । पुणे

केरल के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने रविवार को पुणे में कहा कि छात्रों से स्किल-बेस्ड शिक्षा के ज़रिए खुद मजबूत बनना चाहिए। राज्यपाल अर्लेकर ने छात्रों आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया है। केरल के राज्यपाल अर्लेकर ने कहा है कि सिर्फ़ नौकरियों के पीछे भागने के बजाय, छात्रों को प्रैक्टिकल स्किल्स हासिल करनी चाहिए और नौकरी देने वाले बनना चाहिए। वे आज पुणे में फ्यूल एजुकेशन ग्रुप की ओर से आयोजित वार्षिक कॉन्क्लेव और फ्यूचर स्किल्स समिट 2026 कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल अर्लेकर ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने औपनिवेशिक सोच को तोड़ दिया है और भारत की शिक्षा और स्किल इकोसिस्टम को मज़बूत करने पर ध्यान

केंद्रित करती है। एक मज़बूत भारतीय शिक्षा और स्किल्स फ्रेमवर्क बनाने के लिए मूल्य-आधारित नेतृत्व और सहयोगात्मक शासन ज़रूरी है। 'स्किल इंडिया' मिशन के अनुरूप, छात्रों को स्किल-ओरिएंटेड शिक्षा के ज़रिए खुद को सशक्त बनाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा, 'फ्यूल के प्रयासों ने देश भर में वंचित और पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों के लिए आकांक्षाओं और रोज़गार के बीच के अंतर को सार्थक रूप से पाटा है। फ्यूल विश्व स्तरीय शिक्षा, स्किल्स और उद्योग को एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जो भारत के भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा इकोसिस्टम को और मज़बूत करेगा।' उन्होंने छात्रों से आग्रह करते हुए कहा, 'अगर आप सिर्फ़ अपने लिए जीते हैं, तो आप सिर्फ़ मौजूद हैं; अगर आप दूसरों के लिए जीते हैं, तो आप सच में जीते हैं।'महाराष्ट्र के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि सरकार नई शिक्षा नीति के तहत स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से उद्यमिता के लिए सही दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बारामती सीट पर उपचुनाव की सरगर्मी सुनेत्रा पवार के नाम पर चर्चा तेज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद खाली हुई बारामती विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने इस सीट के लिए विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित कर दिया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि जल्द ही चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। यह पुनरीक्षण 1 जनवरी 2026 को योग्यता तिथि मानकर किया जाएगा। चुनाव आयोग के अनुसार, संयुक्त प्रारूप मतदाता सूची 9 फरवरी 2026 को प्रकाशित होगी। इसके बाद 9 से 25 फरवरी तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी, जबकि अंतिम मतदाता सूची 10 मार्च 2026 को जारी की जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के तुरंत बाद उपचुनाव की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। साथ ही, प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठकें भी की जाएंगी।

उत्तराधिकार की दौड़ में सुनेत्रा पवार आगे

अजीत पवार के निधन के बाद बारामती की राजनीतिक विरासत को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक हलकों में सुनेत्रा पवार को इस सीट का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उनके लिए छह महीने के भीतर विधानमंडल के किसी सदन का सदस्य बनना संवैधानिक रूप से जरूरी है। ऐसे में बारामती उपचुनाव को उनके लिए सबसे सुरक्षित और स्वाभाविक विकल्प माना जा रहा है।

निर्विरोध चुनाव की भी संभावना

जानकारों के मुताबिक, अजीत पवार के प्रति सम्मान और परिवार में शोक की स्थिति को देखते हुए विपक्षी दलों के उम्मीदवार उतारने की संभावना बेहद कम है। 2024 के विधानसभा चुनाव में मुकाबला करने वाले युगेंद्र पवार या महायुति के घटक दलों की ओर से भी चुनौती की उम्मीद नहीं जताई जा रही है।

ज़िंदा पेड़ों पर लाइटिंग पर सवाल,सीएम से ठाणे में तत्काल रोक की मांग

ठाणे। शहर में ज़िंदा पेड़ों पर बिजली की लाइटिंग और सजावट किए जाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर ने इसे "पर्यावरण अपराध" करार देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से ठाणे में इस तरह की गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। डॉ. सिनकर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि त्योहारों, कार्यक्रमों और तथाकथित ब्यूटीफिकेशन के नाम पर पेड़ों पर वायरिंग, ड्रिलिंग, कीलें ठोकना और भारी सजावटी सामान लगाना सीधे तौर पर पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेड़ सजावटी खंभे नहीं, बल्कि शहर की सांस और नागरिकों के जीवन का आधार हैं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस तरह की लाइटिंग और

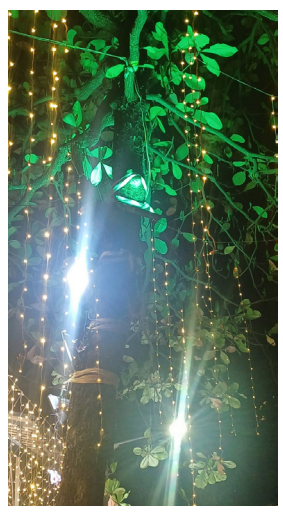

सजावट से न केवल पेड़ों को क्षति पहुंचती है, बल्कि पक्षियों, कीटों और शहरी जैव-विविधता पर भी गंभीर असर पड़ता है। डॉ. सिनकर ने इस बात पर कड़ी आपत्ति जताई कि एक ओर सरकार नेट ज़ीरो लाइफ मिशन और जलवायु परिवर्तन से लड़ने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय निकाय ज़िंदा पेड़ों पर सीधा हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि ज़िंदा पेड़ों पर किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रिक लाइटिंग, डेकोरेशन और विज्ञापन सामग्री लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के स्पष्ट आदेश जारी किए जाएं। डॉ. सिनकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि पेड़ चीख नहीं सकते, लेकिन उनके ज़ख्म पूरे शहर को चुपचाप सहने पड़ते हैं। यदि आज पेड़ों के संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में शहर में सांस लेना भी मुश्किल हो सकता है।

वैनगंगा–नलगंगा परियोजना में संतुलन जरूरी, सूखाग्रस्त इलाकों के साथ न हो अन्यायः डॉ. प्रवीण महाजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों को सिंचाई सुविधा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित वैनगंगा–नलगंगा नदी जोड़ परियोजना को लेकर जल विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रवीण महाजन ने गंभीर आपत्ति और सुझाव सामने रखे हैं। उन्होंने मांग की है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लागू करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि सूखा प्रभावित इलाकों के साथ किसी भी तरह का अन्याय न हो। डॉ. महाजन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर परियोजना के क्रियान्वयन में किए गए कथित बदलावों पर सवाल उठाए हैं। उनके अनुसार, गोसीखुर्द राष्ट्रीय परियोजना से नलगंगा तक पानी पहुंचाने की योजना में पहले चरण में आवश्यकता न होने के

बावजूद 836 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी का प्रावधान किया गया है, जबकि दूसरे और तीसरे चरण—जो कि अधिक सूखाग्रस्त क्षेत्र हैं—उनमें पानी की मात्रा घटा दी गई है। उन्होंने इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि जब यह परियोजना प्रस्तावित की गई थी, तब इसका उद्देश्य पश्चिम विदर्भ के नागपुर, वर्धा, यवतमाल, अमरावती, वाशिम, अकोला और बुलढाणा जिलों में सिंचाई बैकलॉग और पानी की कमी को दूर करना था। लेकिन वर्तमान बदलावों से आशंका है कि सूखा और किसान आत्महत्या से प्रभावित क्षेत्र एक बार फिर पानी से वंचित रह जाएंगे। डॉ. महाजन ने यह भी बताया कि नेशनल वॉटर डेवलपमेंट एजेंसी ने तकनीकी पहलुओं—जैसे कन्वेयंस दूरी, लिफ्टिंग हाइट और क्षेत्रीय जरूरतों—का अध्ययन कर वैनगंगा–नलगंगा लिंक का प्रस्ताव रखा था। मूल प्रस्ताव में पहले चरण के लिए 689 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी तय था, जिसे बढ़ाकर 836 किया गया। वहीं दूसरे चरण में यह मात्रा 689 से घटाकर 584 मिलियन क्यूबिक मीटर और तीसरे चरण में 393 से घटाकर 336 मिलियन क्यूबिक मीटर कर दी गई। उन्होंने कहा कि चूंकि यह योजना सूखाग्रस्त इलाकों को पानी उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है, इसलिए पानी का न्यायसंगत और संतुलित बंटवारा बेहद जरूरी है।

सुनेत्रा पवार ने जताया मतदाताओं का आभार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दिवंगत अजित पवार की पत्नी व उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने जिला परिषदों व पंचायत समितियों के चुनाव में मतदान करने वाले वोटरों का आभार माना है। उन्होंने कहा है कि दुख की घड़ी में भी वोट देने वालों को मैं धन्यवाद देती हूं। सुनेत्रा पवार के अनुसार जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव 2026 में अपनी मर्जी से हिस्सा लेकर अपने मताधिकारी का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले सभी मतदार भाइयों और बहनों को वह दिल से धन्यवाद देती हैं। पूरी चुनाव प्रक्रिया के दौरान एनसीपी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटने के बावजूद पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने ग्रामीण महाराष्ट्र के विकास के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजितदादा पवार के विजन को आगे बढ़ाने के लिए अनुशासन और एकजुट तरीके से काम किया। उनके समर्पण, बिना थके काम और संगठित कोशिशों की वजह से ही अजित दादा पवार के विचार और काम अच्छे से आगे बढ़ रहे हैं। पार्टी दुख के समय में भी एकजुट है। एनसीपी (एपी) के प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा है कि राज्य की 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावी परिणाम सोमवार को घोषित होने वाले हैं. उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से जश्न न मनाने की अपील की है।

▸▸ जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

वृष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएँगे। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

मिथुन अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएँ रखें। धनार्जन होगा।

कन्या भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएँ दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

वृश्चिक व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धनु उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मकर जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएँगे। चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है।

कुंभ भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

मीन पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएँ। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

सोना खोने से जुड़े शुभ और अशुभ संकेतों की धार्मिक व्याख्या

हिन्दू धर्म, ज्योतिष शास्त्र और वास्तु परंपरा में सोना केवल एक कीमती धातु नहीं, बल्कि पवित्रता, लक्ष्मी, बृहस्पति ग्रह और शुभ ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। विवाह, पूजा-पाठ, यज्ञ, दान और शुभ संस्कारों में सोने का विशेष महत्व होता है। इसी कारण जब सोना या सोने से बना कोई आभूषण खो जाता है, तो इसे केवल आर्थिक हानि नहीं माना जाता, बल्कि इसके पीछे कुछ आध्यात्मिक और ज्योतिषीय संकेत भी देखे जाते हैं। शास्त्रों और लोक मान्यताओं के अनुसार, अलग-अलग प्रकार के सोने के आभूषण का खोना जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ा संकेत दे सकता है। ज्योतिष के अनुसार सोना मुख्य रूप से बृहस्पति ग्रह से जुड़ा माना जाता है। बृहस्पति ज्ञान, विवाह, संतान, धर्म, भाग्य और समृद्धि का कारक ग्रह है। इसलिए सोने का गुम होना कई बार बृहस्पति के कमजोर होने का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को शिक्षा

प्रियंका जैन
9769994439

में बाधा, वैवाहिक जीवन में तनाव, संतान संबंधी चिंता या पेट और लीवर से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से यदि बार-बार सोना खो जाए, तो इसे भाग्य में अस्थिरता का संकेत भी माना जाता है।

यदि किसी व्यक्ति की सोने की अंगूठी गुम हो जाए, तो धार्मिक मान्यताओं में इसे स्वास्थ्य से जोड़कर देखा जाता है। अंगुलियों में पहनी जाने वाली अंगूठी शरीर की ऊर्जा और ग्रह प्रभाव से जुड़ी मानी जाती है। सोने की अंगूठी का खो जाना इस बात का संकेत हो सकता है कि आने वाले समय में व्यक्ति को शारीरिक कमजोरी, रोग या लंबे समय तक चलने वाली किसी स्वास्थ्य समस्या से गुजरना पड़ सकता है। विशेषकर यदि अंगूठी तर्जनी या अनामिका में पहनी गई हो, तो इसका संबंध सीधे बृहस्पति और सूर्य से जोड़ा जाता है।

कान में पहने जाने वाले सोने के आभूषण, जैसे बाली, झुमकी या टॉप्स, स्त्री जीवन में सौभाग्य, सुनने की शक्ति और शुभ समाचारों से जुड़े माने जाते हैं। यदि कान का सोना खो जाए, तो इसे अशुभ समाचार मिलने का संकेत माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि व्यक्ति को किसी करीबी से जुड़ा दुखद समाचार मिल सकता है या सामाजिक जीवन में अप्रिय बातें सुनने को मिल सकती हैं। कई जगह यह भी माना जाता है कि यह पारिवारिक तनाव या रिश्तों में कटुता का संकेत हो सकता है। नाक में पहना जाने वाला सोना, जैसे नाक की चुन्नी, बाली या कांटा, सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। यदि नाक का सोना गुम हो जाए, तो इसे अपयश या बदनामी से जोड़कर देखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, व्यक्ति को अपने व्यवहार, वाणी और निर्णयों में विशेष सावधानी रखनी चाहिए, क्योंकि यह समय मान-सम्मान के लिए संवेदनशील हो सकता है। कई बार इसे झूठे आरोप या अनावश्यक विवादों का संकेत भी माना जाता है। सोने के भारी गहने या हीरे-मोती जड़े आभूषणों का खो जाना विशेष रूप से अशुभ माना गया है। ऐसे आभूषण केवल धन का नहीं, बल्कि पारिवारिक वैभव और पीढ़ियों से चली आ रही समृद्धि का प्रतीक होते हैं। इनका खो जाना इस बात का संकेत माना जाता है कि व्यक्ति को आर्थिक नुकसान, पारिवारिक कलह या संपत्ति से जुड़े विवादों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ मान्यताओं में इसे अचानक धन हानि या निवेश में घाटे का संकेत भी माना गया है।

संगम में विसर्जित हुईं पवार की अस्थियां

विधि-विधान से किया गया अस्थि विसर्जन, भावुक दिखा पवार का

एजेंसी । प्रयागराज

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अस्थियों का रविवार, 8 फरवरी, 2026 को तीर्थराज प्रयागराज के पवित्र संगम में विधिवत विसर्जन किया गया। पूरे धार्मिक अनुष्ठान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनके पुत्र जय पवार ने पिता की अस्थियों को गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम में प्रवाहित किया। इस अवसर पर शोकाकुल परिजनों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

चार्टर्ड प्लेन से प्रयाग पहुंचा परिवार

अजित पवार का परिवार चार्टर्ड विमान से महाराष्ट्र के बारामती से प्रयागराज पहुंचा। रविवार सुबह करीब 11 बजे जैसे ही परिवार प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरा, माहौल गमगीन हो गया। एयरपोर्ट से लेकर संगम तक पूरे रास्ते सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

नंगे पांव कलश लेकर निकले जय

एयरपोर्ट परिसर से बाहर निकलते समय अजित पवार के पुत्र जय पवार नंगे पांव अस्थि कलश लेकर चलते नजर आए। उनके हाथों में अस्थियों का कलश देख वहां मौजूद लोगों की आंखें भर आईं। इस दृश्य ने हर किसी को भावुक कर दिया। शांत और श्रद्धापूर्ण वातावरण में काफिला संगम की ओर रवाना हुआ।

VIP घाट पर हुआ अस्थि विसर्जन

परिवार और समर्थकों का काफिला सीधे प्रयागराज संगम के वीआईपी घाट पहुंचा, जहां पुजारियों द्वारा विधि-विधान से अस्थि विसर्जन की रस्म पूरी कराई गई। मंत्रोच्चार और अनुष्ठानों के बीच मां गंगा से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान भाजपा और एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक कलश यात्रा

इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा के नेतृत्व में अजित पवार की अस्थियों को लेकर कश्मीर से कन्याकुमारी तक अस्थि कलश यात्रा निकाली गई थी। यह यात्रा देश के 12 राज्यों से होकर गुजरी। रविवार को प्रयागराज संगम पर जय पवार और परिवार की उपस्थिति में इस यात्रा का विधिवत समापन हुआ।

विमान हादसे में हुआ था निधन

गौरतलब है कि एनसीपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन बारामती में हुए एक विमान हादसे में हो गया था। इस दुर्घटना में उनके साथ चार अन्य लोगों की भी जान चली गई थी। 29 जनवरी 2026 को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में उनके पार्थिव शरीर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को राज्य का उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। संगम में अस्थि विसर्जन के साथ ही एक युग का विधिवत समापन हुआ, लेकिन उनकी राजनीतिक विरासत और स्मृतियां समर्थकों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगी।

गोदाम से प्रतिबंधित दवाओं का जखीरा बरामद

एजेंसी । मेरठ

नशीली औषधियों के अवैध कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए पुलिस ने शहर में एक बड़े गोदाम का भंडाफोड़ किया है। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में शेखो पेट्रोल पंप के पीछे स्थित एक गोदाम में प्रतिबंधित दवाओं के अवैध भंडारण की सूचना पर थाना टीपीनगर और ब्रह्मपुरी पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान गोदाम से बड़ी मात्रा में ऐसी औषधियां बरामद की गईं, जिनका इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है। मौके पर जांच के लिए औषधि निरीक्षक पीयूष कुमार शर्मा को बुलाया गया, जिन्होंने बरामद दवाओं को प्रतिबंधित श्रेणी का बताया।

80 लाख रुपए बाजारू कीमत

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ट्रांसपोर्टर तुषार गर्ग पुत्र पवन गर्ग, निवासी शिव शक्तिनगर सेक्टर-1, माधवपुरम (थाना ब्रह्मपुरी) को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बरामद दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) करीब 55 लाख रुपए है, जबकि अवैध बाजार में इनकी कीमत लगभग 80 लाख रुपए आंकी जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह गोदाम लंबे समय से अवैध नशीली दवाओं के भंडारण और संचालन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। मामले में आगे की जांच जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

मुरादाबादः सामने आए 98000 नए मतदाता

98 हजार से अधिक नए वोटरों ने भरा फार्म सिक्स
नाम हटाने को 2600 लोगों ने जमा किया फार्म सात

एजेंसी । प्रयागराज

मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया के तहत मुरादाबाद जिले में नागरिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। चुनाव आयोग द्वारा दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा एक माह बढ़ाए जाने के बाद लोगों को बड़ी राहत मिली है। अब यह प्रक्रिया 6 मार्च तक जारी रहेगी, जिससे नागरिक बिना जल्दबाजी के अपने आवेदन जमा कर सकेंगे। जिले में अब तक कुल 1.38 लाख से अधिक दावे और आपत्तियां दर्ज की जा चुकी हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या उन युवाओं और नागरिकों की है, जिन्होंने पहली बार मतदाता बनने के लिए आवेदन किया है। अब तक करीब 98 हजार लोगों ने नए मतदाता के रूप में नाम दर्ज कराने के लिए फार्म संख्या छह जमा कराया है।

संशोधन के 45 हजार आवेदन

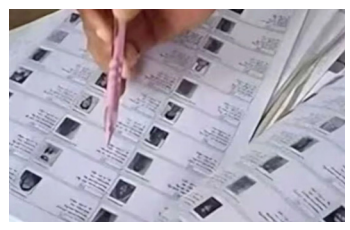

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संगीता गौतम के अनुसार, रविवार तक प्राप्त आंकड़ों में फार्म संख्या छह के अलावा नाम हटाने या स्थानांतरण से जुड़े फार्म संख्या सात के लगभग 2600 आवेदन मिले हैं, जबकि मतदाता विवरण में संशोधन के लिए फार्म संख्या आठ के करीब 45 हजार आवेदन जमा किए गए हैं।

समय सीमा बढ़ने से मिला मौका

चुनाव आयोग द्वारा समय-सीमा बढ़ाए जाने से अब जिले के नागरिकों को अपने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। निर्वाचन विभाग का कहना है कि निर्धारित तिथि तक सभी आवेदनों का निस्तारण कर मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाया जाएगा।

1.98 लाख मतदाताओं को नोटिस

मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने के लिए निर्वाचन विभाग ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई की है। अधिकारियों द्वारा 'नो मैपिंग' प्रक्रिया के तहत लगभग 1.98 लाख नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की त्रुटियों को लेकर कुल 3.70 लाख नोटिस जारी किए जाने थे, जिनमें से अधिकांश नोटिस संबंधित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं।

पप्पू यादव के बचाव में उतरे शिवानंद तिवारी

पटना। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की 31 वर्ष पुराने मामले में हुई गिरफ्तारी ने बिहार की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। इस कार्रवाई को लेकर सियासी प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने पप्पू यादव के पक्ष में खुलकर बयान देते हुए गिरफ्तारी की टाइमिंग और प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। शिवानंद तिवारी ने पप्पू यादव को बिहार की राजनीति का विशिष्ट चेहरा बताते हुए कहा कि वे उन गिने-चुने नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव जीतकर इतिहास रचा है। अब तक छह बार संसद पहुंच चुके पप्पू यादव की जनसंपर्क क्षमता और सक्रियता को लेकर भी उन्होंने विशेष उल्लेख किया।

गिरफ्तारी की टाइमिंग और प्रक्रिया पर उठाया सवाल
निर्दल सांसद की गिरफ्तारी पर सियासी पारा गरम

राजद नेता ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार की राजनीति में शायद ही कोई ऐसा नेता हो, जो इतनी तेजी और ऊर्जा के साथ लगातार जनता के बीच मौजूद रहता हो। सुबह एक इलाके में और शाम को दूसरे क्षेत्र में दिखाई देने वाले पप्पू यादव आज खुद जेल की सलाखों के पीछे हैं, और वह भी एक अत्यंत पुराने मामले में। उन्होंने देश की न्यायिक प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह व्यवस्था की विडंबना है कि कई मुकदमे दशकों तक लंबित रहते हैं।

मुजफ्फरनगर दंगा: साक्ष्य के अभाव में 23 अभियुक्त बरी

2013 में उग्र भीड़ ने कई दिनों तक किया था नग्न तांडव

एजेंसी । मुजफ्फरनगर

वर्ष 2013 के बहुचर्चित भौराकलां सांप्रदायिक दंगों से जुड़े एक मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। साक्ष्यों के अभाव को आधार बनाते हुए न्यायालय ने इस प्रकरण में नामजद 23 अभियुक्तों को दोषमुक्त कर दिया। यह मामला 7 सितंबर 2013 को मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई हिंसक घटनाओं से संबंधित है, जब उग्र भीड़ ने कई मकानों में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की थी। इसी हिंसा के दौरान रहीसुद्दीन की मौत हो गई थी।

दर्ज करवाई गई थी दो एफआईआर

घटना के बाद पुलिस और पीड़ित पक्ष की ओर से अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज कराई गई थीं। एक मुकदमा तत्कालीन उप निरीक्षक गंगा प्रसाद द्वारा करीब 1300 अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था, जिसमें सरकारी वाहनों को आग के हवाले करने के आरोप शामिल थे। दूसरा मुकदमा मृतक रहीसुद्दीन के पुत्र हनीफ की तहरीर पर भौराकलां थाने में दर्ज हुआ था, जिसमें हत्या, बलवा और सांप्रदायिक उन्माद फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे।

साक्ष्यों से साबित नहीं हुआ आरोप

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) कोर्ट संख्या चार में हुई। न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि आरोपों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके चलते अदालत ने विक्की, बादल, मदन, जयनारायण, ब्रजवीर, विनोद, काला, प्रवीण, अनिल, सुभाष, संजीव, करण, शेर सिंह, ऋषिपाल, सहंसरपाल, प्रमोद, जगपाल, प्रेमपाल, पप्पू, नीटू, भूरा और हरेंद्र को बरी कर दिया।

चार आरोपियों की हो चुकी है मौत

सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि प्रवीण, नकुल, बबलू और सूरज की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। वहीं एक अन्य आरोपी गैर-जमानती वारंट के एक अलग मामले में जेल में बंद होने के कारण अदालत में पेश नहीं हो सका, लेकिन इस सांप्रदायिक दंगा मामले में उसे भी दोषमुक्त घोषित किया गया। अदालत ने छह अलग-अलग केस फाइलों में चली लंबी सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। आरोपियों के बरी होने के साथ ही करीब एक दशक पुराने इस प्रकरण ने न्यायिक प्रक्रिया में एक अहम पड़ाव पार कर लिया है।

व्यापार जगत

मलेशिया में खुलेगा भारत का महा वाणिज्यिक दूतावास

डिजिटल भुगतान, व्यापार और निवेश सहयोग को मिलेगी नई रफ्तार

नई दिल्ली। भारत और मलेशिया के आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान मलेशिया में भारतीय महा वाणिज्यिक दूतावास खोलने का निर्णय लिया गया, जिसे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और कारोबारी संपर्कों के विस्तार के लिहाज से अहम माना जा रहा है। इस फैसले से मलेशिया में सक्रिय भारतीय कंपनियों और प्रवासी समुदाय को कांसुलर सेवाओं के साथ-साथ व्यापारिक सहयोग भी अधिक सुगम होगा। यात्रा के दौरान भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में कई समझौतों और सहमति पत्रों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इन पहलों का उद्देश्य दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहन देना है। इसी क्रम में 10वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई, जिसमें व्यापार बाधाओं को कम करने और निवेश माहौल को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया।

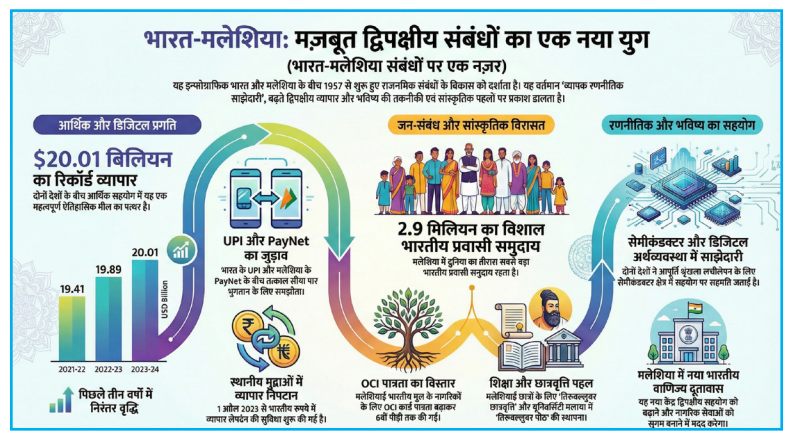

और गहरी होगी आर्थिक साझेदारी

कुल मिलाकर, मलेशिया में भारतीय महा वाणिज्यिक दूतावास की स्थापना, डिजिटल भुगतान समझौते और सीईओ फोरम की सिफारिशें भारत-मलेशिया व्यापारिक रिश्तों को नई दिशा देने वाली मानी जा रही हैं। बिजनेस जगत को उम्मीद है कि इन पहलों से निवेश प्रवाह बढ़ेगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी और गहरी होगी।

डिजिटल भुगतान को बढ़ावा

डिजिटल और वित्तीय सहयोग के मोर्चे पर भारत की एनपीसीआई इंटरनेशनल लिमिटेड और मलेशिया की पेनेट एसडीएन बीएचडी के बीच सीमा-पार डिजिटल भुगतान को लेकर समझौता हुआ। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार करने वाले उद्यमों, पर्यटकों और छात्रों को तेज, सुरक्षित और कम लागत वाली भुगतान सुविधा मिलने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए लेनदेन को आसान बनाएगी।

स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक निवेश

स्वास्थ्य क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा, विशेषकर आयुर्वेद, के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को विस्तार देने पर सहमति बनी। इसके तहत यूनिवर्सिटी ऑफ साइबरजया और आयुर्वेद प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के बीच सहयोग समझौता किया गया। वहीं, कुआलालंपुर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया में तिरुवल्लुवर केंद्र की स्थापना और छात्रवृत्ति योजना से शैक्षणिक व सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बल मिलेगा।

सर्वे: डेटा चोरी और साइबर अटैक बड़ा खतरा

नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट जगत के सामने जोखिमों की तस्वीर तेजी से बदल रही है और साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। 'FICCI-EY रिस्क सर्वे 2026' के अनुसार, आधे से अधिक भारतीय बिजनेस लीडर्स मानते हैं कि साइबर अटैक और डेटा चोरी उनकी कंपनियों की वृद्धि में सबसे बड़ा अवरोध हैं। रिपोर्ट बताती है कि 51 फीसदी शीर्ष अधिकारियों के लिए डिजिटल ब्रीच और साइबर हमले इस समय सबसे गंभीर खतरा हैं, जबकि ग्राहकों की बदलती अपेक्षाएं और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता भी कारोबार पर दबाव बढ़ा रही हैं। सर्वे में यह भी सामने आया है कि तकनीक और बिजनेस ऑपरेशंस अब पूरी तरह एक-दूसरे पर निर्भर हो चुके हैं। करीब 61 फीसदी उद्योग प्रमुखों का कहना है कि तेज डिजिटल बदलाव उनके बाजार और प्रतिस्पर्धी स्थिति को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। उनका मानना है कि साइबर घटनाएं सिर्फ वित्तीय नुकसान तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि ब्रांड की विश्वसनीयता और ग्राहक भरोसे को भी गंभीर चोट पहुंचाती हैं। इसी कारण डेटा चोरी और इनसाइडर फ्रॉड को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियों के लिए अवसर और जोखिम—दोनों लेकर आया है।

आधे से अधिक उद्यमी मानते हैं वृद्धि में अवरोध का बड़ा कारण

FAO Report: दूध, चीनी और मांस सस्ता

वैश्विक खाद्य महंगाई में नरमी, चावल व वनस्पति तेल अब भी महंगे

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट ने जनवरी 2026 में वैश्विक खाद्य बाजार को लेकर राहत भरी तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज की गई है। दूध, चीनी और मांस जैसे रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं के सस्ते होने से दुनिया भर में महंगाई के दबाव में कुछ कमी के संकेत मिले हैं, हालांकि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें अब भी चिंता का कारण बनी हुई हैं। एफएओ के अनुसार, वैश्विक खाद्य कीमतों का प्रमुख संकेतक 'फूड प्राइस इंडेक्स' जनवरी 2026 में औसतन 123.9 अंक पर रहा। यह दिसंबर 2025 के मुकाबले 0.4 प्रतिशत कम है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि से भी 0.6 प्रतिशत नीचे दर्ज किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल मिलाकर बाजार में नरमी का रुख बना हुआ है, लेकिन कुछ आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उछाल आने वाले समय में चुनौती पेश कर सकता है। हालांकि, एफएओ ने यह भी आगाह किया है कि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें भारत समेत कई देशों के लिए आगे चलकर महंगाई का नया दबाव पैदा कर सकती हैं। कुल मिलाकर जनवरी 2026 में वैश्विक खाद्य बाजार में राहत के संकेत जरूर हैं, लेकिन चुनौतियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं।

अनाज बाजार में सीमित उतार-चढ़ाव

जनवरी के दौरान अनाज मूल्य सूचकांक में मामूली 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई और यह औसतन 107.5 अंक पर रहा। इस दौरान गेहूं और मक्का की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। एफएओ का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गेहूं के पर्याप्त भंडार के चलते रूस और अमेरिका में मौसम से जुड़ी चिंताओं का असर सीमित रहा। अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया में बेहतर फसल की संभावनाओं और ऊंचे वैश्विक भंडार ने भी कीमतों को संतुलित रखने में मदद की।

CBDT ने हितधारकों से मांगा सुझाव

आयकर अधिनियम 2025 के नियमों पर सीबीडीटी ने खोला परामर्श का दायरा

नई दिल्ली। आयकर प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सरल और करदाताओं के अनुकूल बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने 'आयकर अधिनियम 2025' के तहत प्रस्तावित नियमों और प्रपत्रों पर हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। सरकार चाहती है कि नए कानून के नियम जमीनी स्तर पर व्यवहारिक हों और अनावश्यक जटिलताओं से मुक्त रहें। सीबीडीटी ने स्पष्ट किया है कि सुझाव चार प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रखकर दिए जाएं। इनमें नियमों की भाषा को सरल बनाना, कर विवादों और मुकदमेबाजी में कमी लाना, अनुपालन की प्रक्रिया को सहज करना और ऐसे प्रावधानों की पहचान करना शामिल है, जो अनावश्यक या बोझिल हैं।

एक अप्रैल से प्रभावी होगा अधिनियम

आयकर अधिनियम 2025 को अगस्त 2025 में राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल चुकी है और यह कानून 1 अप्रैल 2026 से देशभर में लागू किया जाएगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से पहले सरकार नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में करदाताओं, पेशेवरों और विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करना चाहती है। इस उद्देश्य से आयकर विभाग ने ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक विशेष ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है। हितधारक आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम और मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन कर सकते हैं और फिर अपने सुझाव पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं। सीबीडीटी ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुझाव देते समय संबंधित नियम, उप-नियम या फॉर्म संख्या का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य होगा।

सीफर्ट की तूफानी पारी ने अफगानिस्तान को पटका

आईसीसी टी-20 विश्वकप में न्यूजीलैंड की दमदार शुरुआत

एजेंसी । चेन्नई

आईसीसी टी-20 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने दमदार अंदाज में अपने अभियान का आगाज़ करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट से शिकस्त दी। रविवार को चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-डी मुकाबले में लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी बल्लेबाजों ने आक्रामक और संतुलित खेल का शानदार नमूना पेश किया।

17 .5 ओवर में ही दिलाई जीत

मैच के अंतिम चरण में डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सैंटनर ने संयम और आक्रामकता का संतुलन बनाए रखा। दोनों ने बिना किसी जोखिम के तेजी से रन बटोरते हुए टीम को 17 .5 ओवर में ही जीत दिला दी। मिचेल 25 और सैंटनर 17 रन बनाकर नाबाद लौटे।

नईब ने खेली तूफानी पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने गुलबदीन नईब की आक्रामक अर्धशतकीय पारी के सहारे निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। नईब ने 35 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के जड़ते हुए 63 रन बनाए और मध्यक्रम को मजबूती दी। अंतिम ओवरों में दारविश रसूली और अजमतुल्लाह ओमरजई ने तेज रन जोड़कर स्कोर को चुनौतीपूर्ण बनाया।

फिलिप्स और सीफर्ट ने साधा लक्ष्य

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत लड़खड़ा गई। रचिन रवींद्र और फिन एलन सस्ते में पवेलियन लौट गए, जिससे टीम दबाव में आ गई। हालांकि इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट और ग्लेन फिलिप्स ने मोर्चा संभालते हुए रनगति को थमने नहीं दिया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी हुई। फिलिप्स ने तेज तर्रार 42 रन बनाए, जबकि सीफर्ट ने 42 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 65 रनों की प्रभावशाली पारी खेली।

मुजीब और लाकी ने झटके दो-दो विकेट

गेंदबाजी में अफगानिस्तान के लिए मुजीब उर रहमान ने दो विकेट हासिल किए, जबकि राशिद खान, मोहम्मद नबी और ओमरजई को एक-एक सफलता मिली। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट झटके और अन्य गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा।

अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित, तीन भारतीयों को मिली जगह

'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' में भारत का दबदबा

एजेंसी । नई दिल्ली

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट का जलवा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखा है। टूर्नामेंट के समापन के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को अंडर-19 विश्व कप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' का ऐलान किया, जिसमें भारत के तीन उभरते सितारों को शामिल किया गया है।

फाइनल के हीरो वैभव को खास सम्मान

इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में ऐतिहासिक पारी खेलकर सुर्खियां बटोरने वाले 14 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली है। वैभव ने खिताबी मुकाबले में 80 गेंदों पर 175 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी और पूरे टूर्नामेंट में अपने बेखौफ खेल से विशेषज्ञों को प्रभावित किया। उन्हें प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था।

कनिष्क और हेनिल ने भी छोड़ी गहरी छाप

वैभव के अलावा कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने भी 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' में स्थान बनाया। कनिष्क ने टूर्नामेंट के दौरान बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देकर खुद को एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में साबित किया। वहीं हेनिल पटेल ने तेज गेंदबाजी में धार दिखाते हुए कुल 11 विकेट झटके, जिसमें अमेरिका के खिलाफ 5/16 का शानदार प्रदर्शन शामिल रहा।

टीम में इंग्लैंड, अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया

उपविजेता इंग्लैंड के तीन खिलाड़ियों को भी इस सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह दी गई है। थॉमस रेव को कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। उन्होंने 66 की औसत से 330 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में शतकीय पारी खेली। मैनी लुम्सडेन टूर्नामेंट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे, जबकि बेन मेस 444 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले बल्लेबाज बने।

अफगानिस्तान और श्रीलंका को भी टीम में मिला स्थान

अफगानिस्तान के फैसल खान शिनोजादा और नूरिस्तानी उमरजई ने अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक ने भी अहम मौकों पर शतक जड़कर अपनी दावेदारी मजबूत की।

अंडर-19 विश्व कप 2026

वैभव सूर्यवंशी (भारत), वीरन चामुदिथा (श्रीलंका), फैसल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर/कप्तान, इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरिस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

यह क्रिकेट की अविस्मरणीय शाम: सर्जियो गोर

भारत-अमेरिका मुकाबले के बाद US राजदूत ने ICC और शाह का जताया आभार

नई दिल्ली। आईसीसी टी-20 विश्व कप के तहत मुंबई में खेले गए भारत-अमेरिका मुकाबले ने खेल के साथ-साथ कूटनीतिक माहौल को भी खास बना दिया। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस मुकाबले को "क्रिकेट की अविस्मरणीय शाम" बताते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह के प्रति सार्वजनिक रूप से धन्यवाद जताया। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा संदेश में राजदूत गोर ने कहा कि टी-20 विश्व कप का यह अनुभव बेहद प्रेरणादायक रहा। उन्होंने विश्वास जताया कि अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है और ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर क्रिकेट की मौजूदगी इस खेल को नई पहचान देगी।

मैच के दौरान अमेरिकी राजदूत ने आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मुलाकात कर अमेरिका में क्रिकेट के विस्तार पर चर्चा की। बातचीत में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, उभरती प्रतिभाओं और बढ़ते दर्शक समर्थन को अमेरिका में क्रिकेट की मजबूती का आधार बताया गया। राजदूत ने इस प्रगति को खेल के वैश्विक विस्तार की दिशा में अहम कदम करार दिया।

मुक्केबाज लवलीना ने स्पेन में जीता सोना

गुवाहाटी। भारतीय मुक्केबाज़ी की चमकती सितारा और ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर तिरंगा लहराया है। स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उन्होंने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और भारत को बड़ी सफलता दिलाई। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर से ही लवलीना का दबदबा साफ दिखाई दिया। उन्होंने अलग-अलग देशों की सशक्त और अनुभवी मुक्केबाज़ों के खिलाफ दमदार रणनीति, तेज फुटवर्क और सटीक पंचों के बल पर लगातार जीत दर्ज की। हर मुकाबले में उनकी आक्रामकता और रिंग पर नियंत्रण ने उन्हें खिताबी मुकाबले तक पहुंचाया। फाइनल में लवलीना ने आत्मविश्वास और परिपक्वता का शानदार उदाहरण पेश किया। मुकाबले के दौरान उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और पूरे समय खेल की कमान अपने हाथ में रखी। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया, जिसके साथ ही लवलीना ने स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

बॉलीवुड

'बैटल ऑफ गलवान' के लिए करना पड़ेगा इंतजार

रिलीज डेट पर संशय, प्रोजेक्ट अभी खत्म नहीं हुआ

सलमान खान की चर्चित देशभक्ति फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर दर्शकों का इंतज़ार और लंबा होने वाला है। तय कार्यक्रम के मुताबिक 17 अप्रैल 2026 को रिलीज़ होने वाली इस फिल्म की तारीख अब खिसक सकती है। सूत्रों के अनुसार, प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और कुछ तकनीकी प्रक्रियाओं में देरी के चलते निर्माताओं ने रिलीज़ को टालने का विकल्प खुला रखा है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल अंतिम चरण में है, लेकिन कुछ अहम दृश्यों के दोबारा फिल्मांकन में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है। जानकारी के मुताबिक, फरवरी के दूसरे सप्ताह से मुंबई की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में विशेष शेड्यूल शुरू किया गया है, जिसके बाद भी कुछ हिस्सों की शूटिंग शेष रहेगी। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि फरवरी के अंत तक ही कैमरा पूरी तरह बंद हो पाएगा।

निर्माण से जुड़े लोगों का कहना है कि 'बैटल ऑफ गलवान' जैसी संवेदनशील और देश से जुड़ी कहानी को लेकर किसी तरह की जल्दबाज़ी नहीं बरती जा रही है। शूटिंग के बाद लंबी पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया, एडिटिंग और तकनीकी तैयारियों में वक्त लगेगा। इसके अलावा फिल्म को रिलीज़ से पहले रक्षा मंत्रालय से आवश्यक स्वीकृति भी लेनी होती है, जो समयसाध्य प्रक्रिया मानी जाती है। सलमान खान पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे इस प्रोजेक्ट में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना चाहते। यही वजह है कि रिलीज़ डेट को लेकर अंतिम फैसला अभी टाल दिया गया है। निर्देशक अपूर्वा लाखिया और निर्माता टीम नई तारीख पर मंथन कर रहे हैं।

विक्रांत मैसी ने तोड़ी चुप्पी

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म 'रामायणम्' का पहला भाग इसी वर्ष दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। फिल्म की रिलीज से पहले इसके कलाकारों को लेकर लगातार अटकलें सामने आ रही हैं। हालिया चर्चा मेघनाद (इंद्रजीत) के किरदार को लेकर रही, जिस पर अब अभिनेता विक्रांत मैसी ने प्रतिक्रिया दी है।

बीते दिनों एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अभिनेता राघव जुयाल को फिल्म में रावण के पुत्र इंद्रजीत (मेघनाद) की भूमिका सौंपी गई है। इसके साथ ही कुछ अन्य रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि इस किरदार के लिए उन्होंने विक्रांत मैसी को रिप्लेस किया है। इन खबरों के सामने आने के बाद मामला तेजी से सुर्खियों में आ गया। लगातार फैल रही अटकलों के बीच विक्रांत मैसी ने 7 फरवरी को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए सफाई दी। उन्होंने लिखा, "इन सभी बातों पर विराम लगाते हुए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं कभी भी 'रामायणम्' का हिस्सा नहीं था। न हूं और न ही कभी रहा। एक जिम्मेदार मीडिया से इस तरह की गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग हैरान करने वाली है।" हालांकि कुछ समय बाद अभिनेता ने यह पोस्ट हटा ली। उन्होंने फिल्म की टीम को शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा कि वह इसे दर्शक के रूप में थिएटर में जरूर देखेंगे।

'रामायणम्' को भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे भव्य परियोजनाओं में गिना जा रहा है। करीब 4000 करोड़ रुपये के बजट में बन रही इस फिल्म में—रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश लंकापति रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण की भूमिका निभा रहे हैं।

इसके अलावा काजल अग्रवाल मंदोदरी, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा, अरुण गोविल राजा दशरथ, इंदिरा कृष्णन कौशल्या और शीबा चड्ढा मंथरा के किरदार में नजर आएंगी।

'वाराणसी' में दिखेगी रामायण की जीवंत झलक

देश के शीर्ष फिल्मकार एसएस राजामौली अपनी अब तक की सबसे भव्य फिल्म 'वाराणसी' को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। प्रियंका चोपड़ा, महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत इस फिल्म को लेकर राजामौली ने पुष्टि की है कि इसकी कथा का गहरा संबंध रामायण महाकाव्य से जुड़ा है। फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अमेरिकी मीडिया प्लेटफॉर्म पॉलीगॉन से बातचीत में राजामौली ने कहा कि उनकी फिल्मों की रचनात्मक जड़ें भारतीय महाकाव्यों में रही हैं। उन्होंने कहा, "मेरी लगभग सभी फिल्में रामायण और महाभारत से प्रेरणा लेती हैं। 'वाराणसी' में मुझे रामायण की एक वास्तविक घटना को सिनेमाई रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिला है।" फिल्म के सबसे जटिल और रचनात्मक हिस्से पर बात करते हुए राजामौली ने बताया कि फिल्म में एक लगभग 25 मिनट का भव्य युद्ध दृश्य है, जो रामायण से प्रेरित है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह कोई एक घटना नहीं, बल्कि कई पौराणिक पलों का संयोजन है, जिन्हें एक बड़े युद्ध क्रम में पिरोया गया है।

उम्र और स्टारडम पर टिप्पणी: चर्चा में इमरान खान

अभिनेता इमरान खान ने हाल ही में उम्र और करियर के रिश्ते को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ हर अभिनेता को अपनी भूमिकाओं में बदलाव करना पड़ता है। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड के तीन बड़े सितारों—शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान—के करियर पर भी टिप्पणी की, जिसे लेकर फिल्म जगत में चर्चा हो रही है। इमरान खान का कहना है कि चाहे कोई भी अभिनेता कितना ही बड़ा सुपरस्टार क्यों न हो, उम्र बढ़ने के साथ उसे दर्शकों की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप खुद को ढालना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हर कलाकार के जीवन में एक ऐसा दौर आता है, जब पारंपरिक हीरो वाले किरदार उस पर पहले जैसे प्रभावी नहीं रहते।

एक न्यूज चैनल से इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा कि लीड हीरो के रूप में काम करने की भी एक तय उम्र होती है। उन्होंने कहा, "कुछ वर्षों तक अभिनेता हीरो के रूप में दर्शकों से जुड़ पाता है, लेकिन एक समय के बाद वही भूमिकाएं स्वाभाविक नहीं लगतीं।"

इमरान ने यह भी कहा कि शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान तीनों लगभग 60 वर्ष की उम्र के आसपास हैं और उन्होंने करीब तीन दशकों तक अभूतपूर्व स्टारडम देखा है। उनके अनुसार यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है कि उम्र के साथ कलाकारों को अपने किरदारों में बदलाव करना पड़ता है।

इमरान खान ने कहा कि मौजूदा दौर में दर्शक पहले से अधिक जागरूक हो चुके हैं। अब फिल्में केवल सितारों के नाम पर नहीं, बल्कि विषयवस्तु और प्रस्तुति के आधार पर देखी जाती हैं। ऐसे में वरिष्ठ अभिनेताओं के लिए जरूरी है

सीएम ने पेश किया शालीमार बाग का 250 करोड़ का रिपोर्ट कार्ड

एक साल पूरे होने पर भावुक हुईं सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग से विकास कार्यों के नए चरण की शुरुआत की। पीतमपुरा स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कई जनहितकारी परियोजनाओं का शुभारंभ किया और क्षेत्र के विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भावुक नजर आईं। उन्होंने अपने बचपन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि त्रिनगर से पीतमपुरा तक का उनका सफर केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र ने उन्हें पहचान, संस्कार और अपनापन दिया, उसी क्षेत्र की विधायक और फिर दिल्ली की मुख्यमंत्री बनना ईश्वर की कृपा और जनता के विश्वास का परिणाम है।

पद नहीं, विश्वास से जुड़ा रिश्ता

मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनावी हार ने कभी उन्हें रोका नहीं, क्योंकि जनता से उनका रिश्ता पद से नहीं, विश्वास से बना है। उन्होंने वर्ष 2025 में 27 वर्षों बाद दिल्ली में भाजपा सरकार बनने को जनता की आकांक्षाओं की जीत बताया और कहा कि यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विकास की दिशा बदलने का जनादेश है।

प्रगति पर है कार्य

मुख्यमंत्री ने बताया कि शालीमार बाग विधानसभा में लगभग 250 करोड़ रुपये के विकास कार्य या तो पूरे हो चुके हैं या प्रगति पर हैं। इनमें डिस्ट्रिक्ट पार्क का पुनर्विकास, नए गेट, फाउंटेन, शौचालय, फुटपाथ और अन्य जनसुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्य क्षेत्र की गरिमा और नागरिकों की रोज़मर्रा की जरूरतों से जुड़े हैं।

5000 करोड़ की एलिवेटेड रोड सहित बड़ी योजनाएं

मुख्यमंत्री ने मुनक नहर पर प्रस्तावित करीब 5000 करोड़ रुपये की एलिवेटेड सड़क परियोजना, नहर किनारे सौंदर्यीकरण, छठ घाट, आधुनिक ऑडिटोरियम, मॉडल स्कूल, कम्युनिटी हॉल, आयुर्वेदिक अस्पताल के विस्तार, उन्नत जच्चा-बच्चा केंद्र और नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जैसी योजनाओं को आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक बताया। साथ ही सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट, पार्कों और बाजारों के व्यापक सुधार को 'हर घर तक पहुंचता विकास' करार दिया।

राजधानी के विकास पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रेरणास्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार के बेहतर समन्वय और मजबूत वित्तीय व्यवस्था से राजधानी के बुनियादी ढांचे को नई गति मिली है। उन्होंने फ्लाईओवर, सड़कों, मेट्रो विस्तार और इलेक्ट्रिक बसों का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली तेजी से आधुनिक, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल शहर की दिशा में आगे बढ़ रही है।

दरभंगा दुष्कर्म-हत्या कांड पर तेजस्वी का हमला

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, 17 घटनाओं का किया उल्लेख

एजेंसी । पटना

दरभंगा में छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने नीतीश सरकार पर अपराध नियंत्रण में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और उन्हें कानून का कोई डर नहीं है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से दरभंगा की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई, जो अत्यंत भयावह और शर्मनाक है।

'अराजकता और अव्यवस्था का माहौल'

आरजेडी नेता ने कहा कि पुलिस की लगातार नाकामयाबी, कम दोषसिद्धि दर और गंभीर घटनाओं पर मुख्यमंत्री की चुप्पी के कारण जनता में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर अराजकता और अव्यवस्था का माहौल है और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। तेजस्वी यादव ने अपराधियों और सत्ताधारी नेताओं के बीच कथित सांठगांठ का आरोप भी लगाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य में महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म व हत्या की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है। उन्होंने हालिया आपराधिक घटनाओं की एक सूची साझा करते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया।

तेजस्वी यादव द्वारा गिनाई गई प्रमुख घटनाएं

पटना में NEET छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या,मधेपुरा में महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या,खगड़िया में 4 वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या मुजफ्फरपुर में महिला की अपहरण के बाद हत्या,गोपालगंज में छेड़खानी का विरोध करने पर युवती की हत्या,कैमूर में 14 वर्षीय किशोरी की हत्या मुंगेर में महिला की हत्या,सुपौल में महिला की हत्या,मोतिहारी में युवती की हत्या,कटिहार में महिला की संदिग्ध हत्या,सोनपुर में महिला की हत्या, गोपालगंज के भोरे में 5 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, मोतिहारी में युवती पर एसिड अटैक, गोपालगंज में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और छपरा में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म।

BJP सरकार के एक साल पर AAP का हमला

दिल्ली में 'फ्रॉड डे' मना रही 'आप'

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर आम आदमी पार्टी (AAP) ने तीखा हमला बोला है। जहां भाजपा अपनी सरकार के एक साल को उपलब्धियों से भरा बता रही है, वहीं आम आदमी पार्टी ने इसे 'फ्रॉड डे' करार दिया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को आए थे, जिसमें भाजपा ने आम आदमी पार्टी को हराकर 27 वर्षों बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी। भाजपा इस मौके पर जश्न मना रही है, जबकि आप ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए सरकार की वैधता को कटघरे में खड़ा किया है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज 8 फरवरी है और एक साल पहले इसी दिन भाजपा ने झूठ, चोरी और फर्जीवाड़े के जरिए दिल्ली में चुनाव जीता था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान वोटरों को प्रभावित करने के लिए कई अनियमितताएं की गईं।

न्यूज़ ब्रीफ

लक्ष्मी भंडार पर धमकी से बंगाल की सियासत गरमाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 'लक्ष्मी भंडार' योजना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। ममता बनर्जी सरकार ने बजट में इस योजना की राशि 1000 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने का ऐलान किया है। विपक्ष इसे चुनावी फ्रीबीज बता रहा है। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस (TMC) के विधायक शौकत मोल्ला के बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। 24 परगना के भांगड़ में एक सभा के दौरान शौकत मोल्ला ने कहा कि यदि वे चुनाव हारते हैं तो सरकारी सेवाएं और पैसे बंद हो जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि जिन इलाकों से वे पहले हारे थे, वहां सरकारी फंड रोक दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह भी कहा कि जिन ISF समर्थकों के नाम सीएमआरओ में आए हैं, उन्हें लाभ न मिले।विधायक के बयान के बाद TMC ने आधिकारिक तौर पर दूरी बना ली। पार्टी प्रवक्ता तन्मय घोष ने कहा कि यह पार्टी की लाइन नहीं है और यह व्यक्तिगत बयान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां-जहां पार्टी हारी है, वहां भी सरकारी योजनाओं का लाभ जारी है।

फर्जी जीएसटी गिरोह का भंडाफोड़

कानपुर। जनपद कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े फर्जी जीएसटी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। शातिर जाली कागज़ात के सहारे कागज़ी फर्में खड़ी कर जीएसटी पंजीकरण हासिल करता था और बिना किसी वास्तविक लेन-देन के फर्जी टैक्स इनवॉइस व ई-वे बिल तैयार कर इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ उठाकर सरकारी खजाने को करोड़ों की चपत लगा रहा था। पुलिस ने तकनीकी जांच में मिले इंटरनेट आईपी एड्रेस के आधार पर गिरोह के मास्टरमाइंड सीए समेत उसके एक सहयोगी को दबोच लिया है। पुलिस उपायुक्त अपराध श्रवण कुमार सिंह ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि कानपुर से संचालित एक फर्जी जीएसटी नेटवर्क ने प्रदेश के कई जिलों में सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया है। गिरोह के खिलाफ उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जनपदों में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। इसी कड़ी में राज्य कर विभाग से मिली सूचना पर थाना कल्याणपुर क्षेत्र में अपूर्व ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से फर्जी जीएसटी पंजीकरण का मामला सामने आया, जिस पर सम्बंधित थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

RSS कहेगा तो तुरंत पद छोड़ दूंगा : मोहन भागवत

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने 75 वर्ष की आयु को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कहा है कि वह संघ के अनुशासन से बंधे हैं और जब भी संगठन उनसे पद छोड़ने को कहेगा, वह तुरंत ऐसा करेंगे। संघ के शताब्दी कार्यक्रम में भागवत ने बताया कि 75 वर्ष पूरे होने के बाद उन्होंने अपनी स्थिति संगठन के समक्ष रखी थी, लेकिन संघ ने उनसे कार्य जारी रखने को कहा है। उन्होंने कहा कि संघ प्रमुख के पद पर कोई चुनाव नहीं होता, बल्कि क्षेत्रीय और प्रांतीय प्रमुखों की सहमति से सरसंघचालक का चयन किया जाता है।भागवत ने कहा कि सामान्यतः 75 वर्ष के बाद बिना पद के काम करने की परंपरा मानी जाती है, लेकिन संघ ने उनसे सक्रिय भूमिका में बने रहने को कहा। उन्होंने हल्के अंदाज़ में जोड़ा कि संघ अपने स्वयंसेवकों से अंतिम क्षण तक काम लेता है और यहां रिटायरमेंट की अवधारणा नहीं है।

75 की उम्र पर संघ का निर्णय

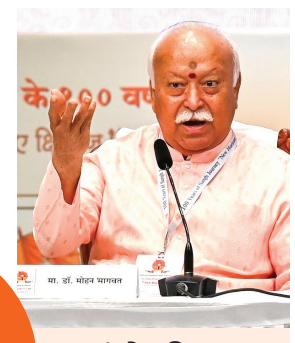

अंग्रेज़ी पर स्पष्ट रुख

भाषा को लेकर संघ का पक्ष रखते हुए भागवत ने कहा कि अंग्रेज़ी कभी भी आरएसएस की कार्यभाषा नहीं बनेगी, क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। हालांकि जहां आवश्यकता हो, वहां अंग्रेज़ी के प्रयोग से संघ को कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि अंग्रेज़ी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए। भागवत ने कहा कि संघ का मूल कार्य संस्कार देना है, प्रचार करना नहीं।

पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर खड़ी कार से तीन शव बरामद, इलाके में सनसनी

नई दिल्ली। दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर खड़ी एक कार में तीन लोगों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, फ्लाईओवर पर एक टवेरा कार काफी देर से खड़ी थी। संदेह होने पर जब कार के अंदर झांककर देखा गया तो तीन लोग अचेत अवस्था में मिले। जांच के दौरान तीनों की मौत की पुष्टि हुई, जिसके बाद फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। कार और आसपास से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में मृतकों की उम्र 40 से 70 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस को जहर खाकर आत्महत्या किए जाने की आशंका है, हालांकि हत्या समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और वाहन नंबर के आधार पर मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

पुतिन के जनरल पर हमले का आरोपी दुबई से गिरफ्तार

एजेंसी । मॉस्को

रूस ने दावा किया है कि उसके एक शीर्ष सैन्य अधिकारी पर गोलीबारी करने वाले मुख्य आरोपी को दुबई से गिरफ्तार कर लिया गया है। रूसी सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, शुक्रवार को मॉस्को के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के बाहर रूसी सैन्य खुफिया एजेंसी GRU के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर अलेक्सेयेव पर कई राउंड फायरिंग की गई थी। इस हमले में 64 वर्षीय अलेक्सेयेव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रूस की सुरक्षा एजेंसी FSB ने बताया कि हमले का मुख्य आरोपी ल्युबोमिर कोरबा है, जो रूसी नागरिक है। उसे दुबई में हिरासत में लिया गया और बाद में रूस लाया गया। एजेंसी के मुताबिक, इस साजिश में दो अन्य लोग भी शामिल थे—एक को मॉस्को से गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा आरोपी यूक्रेन भाग गया है।

रूसी नागरिक निकला शूटर

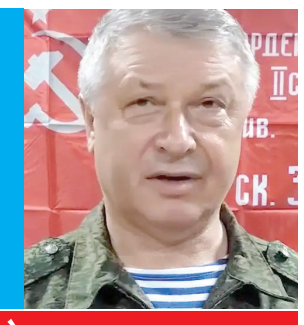

शांति वार्ता के बाद हुआ हमला

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब एक दिन पहले ही रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच यूएई के अबू धाबी में दो दिनों तक शांति वार्ता हुई थी। इस वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व GRU प्रमुख एडमिरल इगोर कोस्त्युकॉव कर रहे थे, जो अलेक्सेयेव के वरिष्ठ अधिकारी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्सेयेव 2011 से GRU के पहले डिप्टी चीफ हैं। सीरिया में रूस के सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें 'हीरो ऑफ रूस' सम्मान मिल चुका है।

रूस ने यूक्रेन पर लगाया आतंकी हमले का आरोप

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस गोलीबारी को यूक्रेन की ओर से की गई "आतंकी कार्रवाई" बताया। उन्होंने कहा कि हमले का उद्देश्य रूस-यूक्रेन के बीच चल रही शांति वार्ताओं को पटरी से उतारना हो सकता है। हालांकि, यूक्रेन की ओर से इन आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बैलिस्टिक मिसाइल रेड लाइन पार की तो इजराइल अकेले करेगा हमला

अमेरिका को दिया कड़ा संदेश, ईरान पर पैनी नजर

एजेंसी । तेल अवीव/वॉशिंगटन

इजराइल ने अमेरिका को स्पष्ट संदेश दिया है कि यदि ईरान ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर तय की गई रेड लाइन पार की, तो इजराइल जरूरत पड़ने पर अकेले ही सैन्य कार्रवाई करेगा। इजराइली रक्षा अधिकारियों का कहना है कि ईरान का बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम उनके देश के लिए सीधे तौर पर अस्तित्व का खतरा बन चुका है। सूत्रों के अनुसार, हाल के हफ्तों में इजराइल और अमेरिका के बीच कई उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं। इन बातचीतों के दौरान इजराइली अधिकारियों ने अमेरिका को बताया कि वे ईरान की मिसाइल क्षमता और उसके उत्पादन ढांचे को नष्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके तहत ईरान के प्रमुख मिसाइल निर्माण केंद्रों और उनसे जुड़े ठिकानों पर हमले की रणनीति भी साझा की गई है, ताकि उसके पूरे कार्यक्रम को कमजोर किया जा सके।

रेड लाइन पर इजराइल की चेतावनी

एक सुरक्षा सूत्र ने कहा कि इजराइल ने अमेरिकी पक्ष से साफ शब्दों में कहा है कि यदि ईरान तय बैलिस्टिक मिसाइल सीमा लांघता है, तो इजराइल अकेले हमला करेगा। हालांकि सूत्र ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल ईरान उस स्तर तक नहीं पहुंचा है, लेकिन इजराइल ईरान के भीतर हो रहे हर सैन्य और तकनीकी विकास पर लगातार नजर बनाए हुए है। इजराइली अधिकारियों ने दोहराया कि उनका देश स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और वह ईरान को ऐसे रणनीतिक हथियार विकसित या दोबारा खड़ा करने की अनुमति नहीं देगा, जो उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

अमेरिका के सामने रखा विस्तृत प्लान

हालिया चर्चाओं में इजराइल ने मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े अतिरिक्त ठिकानों को निशाना बनाने की योजनाएं भी अमेरिका के सामने रखीं। इजराइली सैन्य नेतृत्व को इस बात की चिंता है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सीमित सैन्य कार्रवाई का विकल्प चुन सकता है, जैसा हाल ही में यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ किया गया था। इजराइली अधिकारियों का मानना है कि केवल कुछ ठिकानों पर हमले से ईरान की वास्तविक सैन्य क्षमता पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने आशंका जताई कि सीमित कार्रवाई के बाद जीत का ऐलान कर दिया जाएगा और उसके परिणामों से निपटने की जिम्मेदारी इजराइल पर छोड़ दी जाएगी। इस बीच, इजराइल वायुसेना प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल ओमर टिशलर के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अमेरिका दौरे पर जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

संग्रहालय से रोजगार तक

माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की बैठक में लिए गए बड़े फैसले

एजेंसी । जम्मू

जम्मू-कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की एक अहम बैठक 8 फरवरी को लोक भवन में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। बैठक में तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने, स्थानीय रोजगार बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का संग्रहालय और साउंड एंड लाइट शो

बैठक में मां शक्ति की आध्यात्मिक विरासत को समर्पित एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय की स्थापना का फैसला लिया गया। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की तर्ज पर साउंड एंड लाइट शो शुरू करने और माता वैष्णो देवी धाम पर एक विशेष डॉक्यूमेंट्री तैयार करने का निर्णय भी हुआ। इन पहलों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को एक समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करना है।

पोनीवालों के लिए चरणबद्ध पुनर्वास योजना

माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर सेवाएं देने वाले पोनीवालों और अन्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के निर्देशों के अनुसार चरणबद्ध पुनर्वास योजना लागू करने का फैसला लिया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सेवा प्रदाताओं की आजीविका को सुरक्षित रखना है। तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने, यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाने तथा भविष्य की रणनीति तय करने के लिए एक विशेष समिति के गठन का निर्णय लिया गया है।